RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:167 ता. 22 दिसम्बर 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

एनसीआर में भी कोरोना ने दी दस्तक, गाजियाबाद और गुरुग्राम में मिले मरीज; दिल्ली-नोएडा अलर्ट

गाजियाबाद। देश में एक बार फिर कोरोना सिर उठाता दिख रहा है। देशभर में जेएन.1 वैरिएंट के 21 नए मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से सर्वाधिक 19 मामले गोवा में मिले हैं। एनसीआर में भी बुधवार को दो मामले सामने आए हैं। गुरुग्राम में कोरोना का एक मरीज मिला तो गाजियाबाद में भी एक मरीज में संक्रमण की पुष्टि हुई है। जीनोम सीक्वेंसिंग के बाद पता चलेगा इनमें कौन सा वैरिएंट है। हालांकि, दिल्ली और नोएडा में फिलहाल कोई नया केस सामने नहीं आया है। लेकिन सतर्कता बढ़ा दी गई है।

गुरुग्राम में हल्के लक्षण वाला मरीज, इंडोनेशिया से लौटी महिला संक्रमित

मिलेनियम सिटी में स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को एक मरीज में कोविड संक्रमण की पुष्टि की है। मरीज में हल्के कोविड के लक्षण है और उसका इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग की टीम मरीज की निगरानी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 57 वर्षीय संक्रमित महिला इंडोनेशिया देश से भारत लौटी है। उसकी हालत में सुधार हो रहा है। महिला के सैंपल को जल्द ही जीनोम सिक्वेसिंग के लिए भेजा जाएगा,वहां से रिपोर्ट आने पर जानकारी मिलेगी कि महिला कोविड के कौन से वेरियंट से संक्रमित हुई थी। जिले में एक सप्ताह के बाद पहला मरीज बुधवार को मिला।

42 सैंपल जांच के लिए भेजे

बुधवार को स्वास्थ्य विभाग ने कोविड के लक्षण वाले 42 मरीजों के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब में भेजे गए है। गुरुवार को सभी मरीजों की रिपोर्ट आएगी। अब तक जिले में तीन लाख 11 हजार 602 मरीजों में कोविड की पुष्टि हो चुकी है और तीन लाख 565 लोग इसे मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। कोविड से अब तक 1036 मरीजों की मौत हो चुकी है।

गाजियाबाद में 71 दिन बाद मिला केस

गाजियाबाद जिले में 71 दिन बाद कोरोना का मरीज मिला है। महेंद्रा एंक्लेव के पार्षद संक्रमित पाए गए हैं। उनको होम आइसोलेट कर दिया गया । चार दिन से खांसी, जुकाम की शिकायत के बाद निजी लैब से जांच के बाद पुष्टि हुई है।

राम मंदिर उद्घाटन में नहीं जा रहे सोनिया समेत कांग्रेस नेता, भाजपा को मिलेगा हिंदुत्व पर घेरने का मौका ?

● सोनिया, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कांग्रेस के नेता राम मंदिर उद्घाटन के आयोजन में नहीं जाएंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। ऐसा हुआ तो भाजपा को घेरने का मौका मिल सकता है।

नई दिल्ली। राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए अयोध्या में भव्य तैयारियां चल रही हैं। 22 जनवरी को होने वाले इस आयोजन में करीब 8 हजार लोगों की मौजूदगी होगी। इनमें दिग्गज कारोबारी, नेता, संत, सिलेब्रिटी शामिल होंगे। विपक्षी पार्टी कांग्रेस से भी सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को निमंत्रण मिला है। इसके अलावा पूर्व पीएम के नाते मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौड़ा को भी बुलाया गया है। इस बीच पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि शायद कांग्रेस के नेता इस आयोजन में न जाएं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इन लोगों को न्योता दिया गया है।

सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी को ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने निमंत्रण दिया है। अगले कुछ दिनों में देश की कई राजनीतिक पार्टियों के अध्यक्षों को

निमंत्रण दिया जाएगा। ट्रस्ट के सूत्रों का कहना है कि राजनीतिक दलों के प्रमुखों को बुलाया जा रहा है। इसके अलावा संवैधानिक पदों पर बैठे प्रमुख लोगों और कुछ अन्य हस्तियों को भी बुलाया जा रहा है। इसके अलावा अलग-अलग अखाड़ों, संप्रदायों से ताल्लुक रखने वाले संतों को भी निमंत्रण दिया जा रहा है। यहां तक कि सिख, बौद्ध और जैन पंथ के भी लोगों को बुलाया जा रहा है।

विपक्षी पार्टी कांग्रेस से भी सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को निमंत्रण मिला है। इसके अलावा पूर्व पीएम के नाते मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौड़ा को भी बुलाया गया है। इस बीच पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि शायद कांग्रेस के नेता इस आयोजन में न जाएं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इन लोगों को न्योता दिया गया है।

इस बीच कांग्रेस नेताओं के कार्यक्रम में न जाने को लेकर चर्चाएं तेज हो सकती हैं। दरअसल कांग्रेस नेता यदि आयोजन में नहीं गए तो भाजपा इसे लेकर हमला बोल सकती है। पहले भी भाजपा कांग्रेस को हिंदुत्व के मुद्दे पर घेरती रही है और अब यदि कांग्रेस के नेता आयोजन में नहीं गए तो उसे नए सिरे से मौका मिल सकता है। हालांकि अब तक कांग्रेस के किसी नेता का बयान इसे लेकर नहीं आया है। राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होने के लिए कांग्रेस से राहुल गांधी या फिर प्रियंका वाड्रा को निमंत्रण नहीं मिला है।

राहुल गांधी को नहीं न्योता, कांग्रेस से अधीर, सोनिया और खरगे को बुलाया

माना जा रहा है कि राहुल गांधी के पास फिलहाल केवल सांसद का ही पद है। इसलिए उन्हें बुलाया नहीं गया है। उनके स्थान पर पार्टी के चीफ खरगे, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, लोकसभा में लीडर अधीर रंजन चौधरी को न्योता दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ नेता के तौर पर सोनिया गांधी को बुलाया गया है।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के नेता संसद से विजय चौक तक निकालेंगे मार्च

नई दिल्ली। 143 सांसदों के निलंबन के खिलाफ गुरुवार को इंडिया ब्लॉक के नेता शीतकालीन सत्र के शेष भाग के लिए पुराने संसद भवन के मुख्य द्वार से विजय चौक तक मार्च निकालेंगे। कांग्रेस नेताओं के अनुसार देश में संसदीय लोकतंत्र की हत्या के विरोध में इंडिया ब्लॉक के नेता 11 बजे विजय चौक तक मार्च निकालेंगे। बुधवार को दो और सांसदों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया, जिससे निलंबित सांसदों की कुल संख्या 143 हो गई है। मंगलवार को 49 लोकसभा सांसदों को निलंबित कर दिया गया। सोमवार को लोकसभा ने 33 और राज्यसभा के 45 सांसदों को निलंबित कर दिया था। 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा उल्लंघन पर विस्तृत चर्चा की मांग के बाद कुल 13 लोकसभा सांसदों और एक राज्यसभा सांसद को शेष शीतकालीन सत्र के लिए 14 दिसंबर को निलंबित कर दिया गया था। 13 दिसंबर को 2001 के संसद आतंकी हमले की 22वीं बरसी के मौके पर शून्यकाल की कार्यवाही के दौरान दो लोग दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे। दो लोगों को संसद के अंदर से जबकि दो को बाहर से पकड़ा गया। बाद में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया। विपक्षी गुट ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की भी योजना बनाई है। विपक्षी सांसदों की 143 सांसदों के निलंबन के खिलाफ 22 दिसंबर को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन और संसद की ओर मार्च करने की योजना है।

विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे विधायक व कार्यकर्ता : यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य विधायक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता करेंगे।

डॉ यादव ने कल शाम यहां भाजपा कार्यालय में विधायक दल की बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में सभी विधायकों को सहभागिता कर प्रदेश की जनता को केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए चर्चा की गई है। बैठक में प्रदेश की जनता को जनहितैषी योजनाओं का लाभ दिलाने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण बातचीत हुयी है।

अनंतिम कर संग्रहण विधेयक राज्यसभा ने ध्वनिमत से लोकसभा को लौटाया

नयी दिल्ली। राज्यसभा ने बुधवार को विपक्ष की गैर मौजूदगी में अनंतिम कर संग्रहण विधेयक, 2023 ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया।

यह धन विधेयक लोकसभा ने 19 दिसंबर को पारित किया था। यह अनंतिम कर संग्रहण अधिनयम 1931 को निरस्त करता है। कर के अनंतिम संग्रहण विधेयक 2023 में 1931 के कानून के मौजूदा प्रावधानों को शामिल किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सट्टा गतिविधि को रोकने के लिए बजट में सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क दर में बदलाव को तत्काल प्रभाव से लागू करने के लिए यह प्रावधान किया जाता है। उन्होंने कहा कि अंतरिम अवधि में उत्पन्न होने वाली किसी भी संभावित

● **यह धन विधेयक लोकसभा ने 19 दिसंबर को पारित किया था। यह अनंतिम कर संग्रहण अधिनयम 1931 को निरस्त करता है। कर के अनंतिम संग्रहण विधेयक 2023 में 1931 के कानून के मौजूदा प्रावधानों को शामिल किया गया है।**

अस्पष्टता (या भ्रम) को दूर करने के उपाय के तौर पर इस विधेयक को लाया गया है। विधेयक संक्षिप्त चर्चा में बीजू जनता दल के अमर पटनायक, भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम तिवाडी, वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी, अन्नाद्रमुक के एम तंबी दुरै, भाजपा के रामभाई हरजीभाई मोकरिया और भाजपा के के लक्ष्मण ने भाग लिया।

ईमानदारी से जिया जीवन; केजरीवाल ने ईडी को दिया जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय को समन पर अपना जवाब भेज दिया है। ईडी ने केजरीवाल को दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था। समन पर पेशी की बजाय पंजाब में विपश्यना के लिए जा चुके केजरीवाल ने समन को राजनीति से प्रेरित और गैर जरूरी करार दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि वह हर कानूनी समन मानने को तैयार हैं, लेकिन ईडी का यह समन भी पिछले समन की तरह गैर कानूनी है। उन्होंने इसे राजनीति से प्रेरित बताते हुए वापस लेने की मांग की। दूसरी बार

केजरीवाल ने समन को राजनीति से प्रेरित और गैर जरूरी करार दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि वह हर कानूनी समन मानने को तैयार हैं,

ईडी के समन को दरकिनार करने वाले केजरीवाल ने कहा, मैंने अपना जीवन ईमानदारी और पारदर्शिता से जिया। मेरे पास छिपाने को कुछ नहीं है। इससे पहले केजरीवाल को 2 नवंबर को केंद्रीय जांच एजेंसी ने तलब किया था। तब उन्होंने चुनावी व्यस्तता का हवाला दिया था।

विधानसभा चुनाव के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए करें लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारी: गुप्ता

जयपुर। राजस्थान में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए आगामी लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने राज्य विधानसभा चुनाव-2023 को लेकर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बुधवार को सचिवालय में वीसी के माध्यम से बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से विधानसभा चुनाव के अनुभवों को जाना तथा लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गुप्ता ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण, सहायक मतदान केन्द्र, मतदान दिवस से पूर्व एवं मतदान दिवस के दिन मतदाता जागरूकता गतिविधियां, मीडिया एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रबंधन, चुनाव के दौरान

किए गए नवाचार, पोस्टल बैलेट्स एवं सुरक्षा प्रबंध को लेकर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से अनुभव एवं चुनौतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा कि गत अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान 17 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आगामी छह जनवरी से विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान ट्रांसजेंडर, दिव्यांग एवं सहरिया आदिवसियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जाए। गुप्ता ने मतदाता सूचियों में फोटो सिमिलर एंट्री (पीएसई) एवं डेमोग्राफिक सिमिलर एंट्री (डीएसई) वाले दोहरे नाम हटाने के संबंध में जानकारी एवं निर्देश दिए गए। प्रदेश भर की मतदाता सूचियों में डीएसई के रूप में लगभग 51 हजार एवं पीएसई के रूप में एक लाख 10 हजार 439 दोहरे नाम अंकित हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में मतदान प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से मतदान दलों के प्रशिक्षण और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। निर्वाचन विभाग की ओर से किए गए इस माइक्रो मैनेजमेंट से मतदान व्यवस्थित सम्पन्न हुआ और एक भी मतदान केन्द्र पर पुनर्मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। मतदान दलों के प्रशिक्षण से लेकर, सामग्री वितरण और टीए-डीए के ऑनलाइन भुगतान तक उनकी सहूलियत के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से कई पहल की गईं। मतदान दलों को तीन बार विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ज्ञानवापी पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेगा जमीयत उलमा, मौलाना मदनी को SC से उम्मीद

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर में पूजा करने का अधिकार और वाराणसी में उस स्थान पर मंदिर की पुनर्स्थापना की इजाजत देने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ जमीयत उलमा-ए-हिंद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील करने की मुस्लिम पक्ष की योजना को साझा करते हुए मौलाना अरशद मदनी,जो छ्वाके दो गुटों में से एक का नेतृत्व करते हैं, ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पूजा स्थल अधिनियम, 1991 (विशेष प्रावधान) के तहत काशी और मथुरा में ऐसे मुद्दे नहीं उठेंगे। उन्होंने जमीयत के रुख को दोहराया कि 1991 के कानून के तहत 1947 की यथास्थिति का पालन किया जाना चाहिए।

मौलाना मदनी ने जोर देकर कहा, हम वहां तक जाएंगे, जहां तक कानून हमें जाने की इजाजत देता है। ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति देने के हालिया फैसले पर, मौलाना मदनी ने कहा, हमें सर्वे से कोई आपत्ति नहीं है। हमारा मानना है कि अगर सर्वे ईमानदारी से किया जाए तो कुछ भी नतीजा नहीं निकलेगा।

उन्होंने कहा, लेकिन जिस तरह से यह नया विवाद खड़ा किया गया है, वह पूजा स्थलों की सुरक्षा पर संसद द्वारा पारित 1991 के कानून के खिलाफ है, जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि बाबरी मस्जिद के अलावा किसी भी पूजा स्थल,जो 1947 से अस्तित्व में है, पर इस तरह का कोई विवाद नहीं उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा, पूजा स्थल कानून बनने के बाद हमें उम्मीद थी कि किसी भी मस्जिद पर कोई मुद्दा नहीं उठेगा लेकिन सांप्रदायिक सोच वाली ताकतों ने ऐसा नहीं होने दिया और उन्होंने मथुरा की ज्ञानवापी मस्जिद और ईदगाह का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया।

19 दिसंबर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के स्वामित्व को लेकर वाराणसी की एक अदालत में लंबित मूल वाद की पोषणीयता और ज्ञानवापी परिसर का समग्र सर्वेक्षण कराने के निर्देश को चुनौती देने वाली सभी पांच याचिकाएं खारिज कर दी थीं। जस्टिस अग्रवाल ने सुनवाई के दौरान कहा कि वर्ष 1991 में वाराणसी की अदालत में दायर मूल वाद पोषणीय (सुनवाई योग्य) है और यह पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत निषिद्ध नहीं है।

फैसला आने के बाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद की प्रबंधन समिति अंजुमन इंतजामिया मसाजिद ने कहा था कि काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी भूमि स्वामित्व मामले में वर्ष 1991 के सिविल मुकदमे को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज किये जाने के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। समिति ने कहा था कि वह कोई भी चीज तश्तरी में सजाकर नहीं देगी और आखिरी सांस तक कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

पुंछ जिले में आर्मी के वाहन पर आतंकी हमला, घात लगाकर बनाया निशाना

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुंछ के सुरनकोट के तनावपूर्ण क्षेत्र में एक परेशान करने वाली घटना सामने आई जब आतंकवादियों ने डीकेजी के पास सेना के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अधिकारी विस्तृत जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बल मौके पर पहुंच गए हैं। इससे पहले 20 अप्रैल को हुई एक घटना में विनाशकारी क्षति हुई थी जिसमें कम से कम 5 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी। इस दुखद क्षति के साथ-साथ, कई अन्य लोग घायल हो गए, क्योंकि हमले में जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के भीतर भिम्बर गली से संगियोट की ओर जा रहे सेना के वाहन को निशाना बनाया गया। जिस इलाके में ऑपरेशन चल रहा है, वह वही इलाका है जहां अक्टूबर 2021 में पुंछ के सुरनकोट के दारा की गली (डीकेजी) इलाके में एक घातक हमले में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। ऑपरेशन एक महीने से अधिक समय तक चला, जिसमें नौ कार्रवाई में सेना के अधिकारी मारे गए जबकि महीनों के हमले के बाद एक आतंकवादी मारा गया। इससे पहले, क्षेत्र में आतंकवादियों के संदिग्ध समूह की आवाजाही के बाद संयुक्त सुरक्षा बलों ने पुंछ जिले के ऊपरी इलाकों में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया। एसएसपी पुंछ विनय शर्मा सहित जम्मू कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और सेना के अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं।

भारत में 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयोगी कफ सिरप पर रोक

नई दिल्ली। भारत के दवा नियामक ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सर्दी-रोधी दवा संयोजन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर कहा है कि दवाओं को तदनुसार लेबल किया जाना चाहिए। यह कदम कफ सिरप से विश्व स्तर पर करीब 141 बच्चों की मौत के मद्देनजर उठाया गया है। नियामक निकाय ने शिशुओं के लिए एक अस्वीकृत सर्दी-रोधी दवा फॉर्मूलेशन के प्रचार के संबंध में चिंताओं को संबोधित किया, जिससे उस आयु वर्ग के लिए संयोजन का उपयोग करने के खिलाफ चर्चा हुई और बाद में सिफारिश की गई। यह निर्देश 2019 के बाद से भारत में घरेलू स्तर पर उत्पादित विषाक्त कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौतों की एक श्रृंखला के बाद आया है। इन घटनाओं, जिसमें पिछले साल के मध्य से गाम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में कम से कम 141 मौतें शामिल हैं। नियामक ने आदेश जारी किया, जिसका सार्वजनिक रूप से खुलासा किया गया, जिसमें दवा निर्माताओं को अपने उत्पादों पर चेतावनी के साथ लेबल लगाना अनिवार्य है, कि फिक्स्ड-ड्रग कॉम्बिनेशन (एफडीसी) का उपयोग 4 साल से कम उम्र के बच्चों में नहीं होना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन पांच साल से कम उम्र के बच्चों में खांसी और सर्दी के लक्षणों के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर खांसी सिरप या दवाओं के उपयोग की अनुशंसा नहीं करता है।

कर्नाटक में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले, सिद्धारमैया सरकार सतर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य में कोरोना मामलों में कथित वृद्धि को लेकर उच्च स्तरीय बैठक बुलाएंगे। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव और वरिष्ठ अधिकारी भी उभरती स्थिति पर चर्चा के लिए बैठक में शामिल होने वाले हैं। सूत्रों ने बताया है कि राज्य में मामलों की संख्या जल्द ही 100 का आंकड़ा पार करने की आशंका है, राजधानी बेंगलुरु में स्थिति तेजी से चिंताजनक हो रही है, क्योंकि मामले तेजी से फैल रहे हैं। अधिकारियों ने जीनोम अनुक्रमण के लिए और राज्य में जेएन.1 वैरियंट की उपस्थिति की जांच के लिए बेंगलुरु से 17 नमूने भेज दिए हैं। जीनोम अनुक्रमण की प्रक्रिया में 10 से 15 दिन लगने का अनुमान है, और परिणाम पांच दिनों में आने की उम्मीद है। 20 दिनों में, बेंगलुरु में 42 सकारात्मक कोविड मामले सामने आए हैं। इसमें एक सप्ताह के भीतर तीन मौतें दर्ज की गईं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि सभी को अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। उभरती स्थिति के कारण अधिकारियों के बीच चिंताएं बढ़ रही हैं, खासकर आगामी नए साल और क्रिसमस समारोहों के साथ। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि कुल सक्रिय रोगियों की संख्या 92 है। इसमें से 72 लोग घर पर आइसोलेशन में हैं, जबकि 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। सात का इलाज आईसीयू में चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा, रिपोर्ट की गई सकारात्मकता दर 2.47 प्रतिशत है और मामले की मृत्यु दर 10 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में लिए 808 कोविड परीक्षण किए गए, जिसमें से 407 आरटीपीसीआर और 401 आरएटी परीक्षण थे।

संसद सुरक्षा चूक मामले में चारों आरोपियों को 5 जनवरी तक रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपियों की पुलिस रिमांड बढ़ा दी है। पटियाला हाउस कोर्ट ने संसद में सेंधमारी करने के चार आरोपियों की 15 दिनों की रिमांड बढ़कर 5 जनवरी तक रिमांड पर भेज दिया। बता दें कि चार आरोपियों में सागर शर्मा, मनोरंजन डी, नीलम और अमोल शिंदे की सात दिनों की पुलिस हिरासत की अवधि गुरुवार को समाप्त हो रही थी। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने चारों आरोपियों की 15 दिन की रिमांड की मांग कर कहा था कि हमें कुछ अहम सबूत मिले हैं। पुलिस ने कहा कि 7 दिनों में हमें कुछ अहम सबूत मिले हैं और जांच से जुड़ीं कुछ अहम बातें ओपन कोर्ट में नहीं बता सकते हैं। यह मामला बहुत संवेदनशील है। इसके बाद कोर्ट ने मामले में अरेस्ट सभी आरोपियों से बातचीत की। दिल्ली पुलिस ने कहा कि 7 दिन की रिमांड के दौरान हम आरोपियों को कई जगह ले जा चुके हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि जो सबूत मिले हैं, उनका आरोपियों के साथ मिलान करना है। सोशल मीडिया की जांच करनी है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि यह इतना आसान केस नहीं है और इसमें कई आधार एक-दूसरे से जुड़े हैं। इस मामले से जुड़े डीप रूट का पता लगाना है. दिल्ली पुलिस ने कहा कि कौन जुड़ा है, कहां से मदद मिली है, यह सब पता लगाना है। इसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने चारो आरोपियों को 5 जनवरी तक दिल्ली पुलिस के रिमांड पर भेज दिया। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने चारों आरोपियों के नया सिम कार्ड जारी करवाने की इजाजत मांगी है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने घटना के बाद अपना सिम कार्ड नष्ट कर दिया है। हमें जानकारी के लिए नया सिम कार्ड, क्लोन के रूप में जारी करवाना चाहते हैं, जिससें हमें मोटिव पता चल सके। दिल्ली पुलिस ने चारों आरोपियों की साइको एनालिसिस करवाने की मांग की है।

अयोध्या में बनेगी देश की सबसे बड़ी मस्जिद, ताज महल से भी होगी ज्यादा खूबसूरत

अयोध्या। भाजपा नेता और मस्जिद मुहम्मद बिन अब्दुल्ला विकास समिति के अध्यक्ष ने गुरुवार को कहा कि अयोध्या के धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन पर बनने वाली मस्जिद ताज महल से भी बेहतर होगी। हाजी अरफात शेख ने आगामी मस्जिद की प्रमुख विशेषताओं और विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जो राम मंदिर

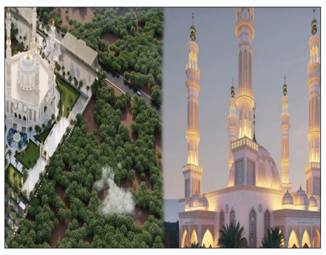

से केवल 25 किमी दूर बनाई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 9 नवंबर को अयोध्या में विवादित राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। केंद्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड को वैकल्पिक पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने अयोध्या के धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन आवंटित की। हाजी अरफात शेख ने कहा कि नई मस्जिद, जो भारत में सबसे बड़ी होगी, में केसर रंग में दुनिया की सबसे बड़ी कुरान होगी, जिसकी ऊंचाई 21 फीट और चौड़ाई 36 फीट होगी। मस्जिद में पहली नमाज मक्का के इमाम इमाम-ए-हरम अब्दुल रहमान ऐ-सुदैस अदा करेंगे। हाजी अरफात शेख ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि यह मस्जिद ताज महल से भी ज्यादा खूबसूरत होगी। यह 'दावा और दुआ' का केंद्र होगी क्योंकि इसमें न केवल लोगों को नमाज पढ़ने की इजाजत होगी बल्कि 500 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल भी होगा जिससे लोगों को फायदा होगा। यूपी से कोई भी कैंसर के इलाज के लिए मुंबई नहीं जाएगा। इसमें डेंटल, मेडिकल और इंजीनियरिंग के विभिन्न कॉलेज भी होंगे।

आतंकवाद के लिए हो रहा पैसों का इस्तेमाल...
यूपी के बाद महाराष्ट्र में हलाल प्रोडक्ट्स पर बैन की मांग

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नितेश राणे ने गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में 'हलाल-प्रमाणित' उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध की तरह, महाराष्ट्र में भी हलाल-प्रमाणित भोजन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। बीजेपी नेता ने कहा कि हलाल सर्टिफिकेट के लिए इकट्ठा किया गया पैसा आतंकवाद के लिए इस्तेमाल किया गया। हलाल, जिहाद, लव जिहाद बड़ी चिंताएं हैं। भाजपा नेता नितेश राणे ने कहा कि हलाल सर्टिफिकेट के नाम पर जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल आतंकवाद में किया जाता है। इसका इस्तेमाल हिंदू धर्म के खिलाफ किया जाता है। हमारे पास इससे जुड़े सारे सबूत हैं। जिस तरह उत्तर प्रदेश सरकार ने हलाल सर्टिफिकेट पर रोक लगाई है, उसी तरह महाराष्ट्र में भी इस पर

रोक लगनी चाहिए। मैं इसके बारे में बात करूंगा।

उन्होंने कहा कि दो कंपनियां हैं जो हलाल सर्टिफिकेट देती हैं और वे भी महाराष्ट्र से हैं। दोनों कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। मैं इस संबंध में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को पत्र लिखने जा रहा हूं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 18 नवंबर को राज्य में हलाल प्रमाणीकरण वाले भोजन, दवाओं और कॉस्मेटिक वस्तुओं के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और भ्रम को रोकने के लिए लगाया गया है। उत्तर प्रदेश खाद्य आयुक्त के आदेश में कहा गया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में, उत्तर प्रदेश में हलाल-प्रमाणित खाद्य पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। हलाल प्रमाणीकरण यह सुनिश्चित करता है कि उत्पाद और सेवाएँ इस्लामी कानून का अनुपालन करें। आयुक्त के आदेश में कहा गया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तय करने का अधिकार केवल खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत उल्लिखित अधिकारियों के पास है।

ईडी के नोटिस पर केजरीवाल ने कहा मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नोटिस को गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा है कि मेरे पास छिपाने लिए कुछ नहीं है। आप सूत्रों के हवाले से मीडिया में आ रहीं खबरों के मुताबिक केजरीवाल को ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन वह बुधवार को 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र के लिए चले गए। सूत्रों ने मुख्यमंत्री के जवाब का हवाला देते हुए कहा, ''केजरीवाल ने ताजा समन को राजनीति से प्रेरित और गैर कानूनी बताया है। अपने जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन पारदर्शिता और ईमानदारी से गुजारा है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी कानूनी समन को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। केजरीवाल को मंगलवार को विपश्यना सत्र के लिए रवाना होना था, लेकिन विपक्षी गुट 'इंडिया की बैठक में व्यस्त होने के कारण वह ऐसा नहीं कर सके। आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा था, ''हर कोई जानता है कि मुख्यमंत्री 19 दिसंबर को विपश्यना के लिए जा रहे हैं। वह नियमित रूप से इस ध्यान सत्र के लिए जाते हैं। यह एक पूर्व निर्धारित और पूर्व घोषित कार्यक्रम है। ईडी ने इससे पहले केजरीवाल को दो नवंबर को समन भेजा था, लेकिन नोटिस को गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित बताते हुए वह पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे।

इंडिया की बैठक में खरगे के नाम पर चर्चा पर भड़की जेडीयू, बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर उछला। इसके बाद सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा शुरु हो गई कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाराज हो गए हैं। उन्होंने दिल्ली में अपनी पार्टी के सभी सांसदों से मुलाकात की। साथ ही 29 दिसंबर को दिल्ली में ही पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलाने का फैसला किया। हालांकि जेडीयू के लिए यह तारीख पहले से ही तय था। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होने वाली है। हालांकि, इंडिया की बैठक के बाद जेडीयू ने राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलाने का फैसला किया, जिसमें पार्टी के सभी बड़े नेता मौजूद रहेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अफाक अहमद ने इसकी पुष्टि की है कि दोनों बैठकें एक ही दिन होंगी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि अल्प सूचना पर परिषद की बैठक बुलाने का क्या कारण है।

जेडीयू के वरिष्ठ नेता ने यह स्वीकार किया है कि मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम पर पार्टी के भीतर बेचैनी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ ही उसी दिन राष्ट्रीय परिषद बुलाने का निर्णय असामान्य है। अक्सप प्रमुख राजनीतिक निर्णय लेने के लिए यह बैठक बुलाई जाती है। जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, यह निश्चित रूप से भविष्य में कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों का संकेत है। राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलाने के फैसले ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। बता दें कि इंडिया गठबंधन की मंगलवार

की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खड़गे के नाम की वकालत की। इस सुझाव का दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी समर्थन किया। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और सामाजिक कल्याण मंत्री मदन साहनी ने भी गठबंधन में नीतीश कुमार की भूमिका के बारे में बात की है। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन में किसी को भी नीतीश कुमार को हल्के में नहीं लेना चाहिए या उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जदयू इसे स्वीकार नहीं करेगा। अगर इंडिया गछबंधन में कोई यह सोचता है कि नीतीश कुमार की भूमिका सिर्फ गठबंधन में रहना है तो यह लंबे समय तक नहीं चलेगा। उनकी भूमिका पहले भी महत्वपूर्ण थी, आज भी महत्वपूर्ण है और भविष्य में भी महत्वपूर्ण रहेगी। नीतीश कुमार ने हालांकि अभी तक बैठक पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन वह मंगलवार को जल्दी ही बैठक छोड़कर चले गए। बाद में जेडीयू अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से इजाजत लेकर बैठक से निकले थे।

जेडीयू के लिए नीतीश उम्मीदवार

खड़गे भले ही यह कह रहे हों कि पीएम के नाम का फैसला चुनाव के बाद किया जाएगा, लेकिन ममता बनर्जी द्वारा उनके नाम का प्रस्ताव आगे बढ़ाने से इंडिया गठबंधन में घमासान मच गया है। जेडीयू के नेता लंबे समय से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संभावित पीएम उम्मीदवार के रूप में पेश करते रहे हैं। उनका तर्क है कि उनके पास विपक्षी गुट का नेतृत्व करने की योग्यता है।

रोड एक्सीडेंट करके भागने वालों को अब होगी 10 साल की जेल

-केन्द्र की मोदी सरकार ने नए कानून के तहत किया सजा का प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार ने रोड पर एक्सीडेंट करके भाग जाने वालों को लंबी सजा का प्रावधान किया है। वहीं यदि घायल को अस्पताल पहुंचा दिया तो कुछ राहत भी मिल सकती है। दरअसल मोदी सरकार ने रोड एक्सीडेंट करके भाग जाने वाले लोगों के लिए एक सख्त कानून बनाया है, जो जल्द ही लागू होने वाला है। अब रोड एक्सीडेंट करके भाग नहीं सकते हैं, ऐसा करने पर आपको सख्त सजा हो सकती है, क्योंकि इससे जुड़ा कानून लोकसभा से पास हो गया है। दरअसल, नए कानून के मुताबिक रोड पर एक्सीडेंट करके भागने पर 10 साल की सजा होगी। हालांकि नए कानून में कुछ राहत के भी प्रावधान हैं। दरअसल, रोड एक्सीडेंट जैसे गंभीर मुद्दे को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है और नए कानून के तहत अगर कोई शख्स रोड पर एक्सीडेंट करके भाग जाता है और घायल को सड़क पर ही छोड़ देता है तो उसे 10 साल की सजा होगी। वहीं, अगर एक्सीडेंट करने वाला शख्स, घायल व्यक्ति को हॉस्पिटल पहुंचाता है तो उसकी सजा कम कर दी जाएगी। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को इस नए कानून की जानकारी लोकसभा में दी है।

गौरतलब है कि पहले आईपीसी की धारा 104 के तहत सड़क दुर्घटना के दौरान लापरवाही से मौत या फिर जल्दबाजी या लापरवाही से हुई मौत के अपराध में पहले 2 साल की कैद या जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान था। अब नए कानून को लोकसभा से मंजूरी मिल गई है और अब इसे राज्यसभा में पेश किया जाएगा, जिसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से यह कानून बन जाएगा। लोकसभा ने औपिनवेशिक काल से चले आ रहे तीन आपराधिक कानूनों के स्थान पर सरकार द्वारा लाए गए विधेयकों को बुधवार को मंजूरी दे दी। सदन ने लंबी चर्चा और गृहमंत्री अमित शाह के विस्तृत जवाब के बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 को ध्वनमित से अपनी स्वीकृति दी। ये तीनों विधेयक भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के स्थान की जगह पर लाये गए हैं।

पंजाब में कांग्रेस नेताओं के निशाने पर आ गए नवजोत सिद्धू

-नवजोत सिद्धू को बाहर करो ; पंजाब कांग्रेस में मची कलह, अलग रैली और नेताओं पर तंज से बवाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू इन दिनों कांग्रेस के दिग्गजों के निशाने पर हैं। कई नेताओं ने एकजुट होकर उन्हे हटानके की मांग की और कहा कि सिद्धू के बयानों से कांग्रेस को नुकसान ही हुआ है। ये नाराजगी बढ़ने के पीछे भटिंडा में आयोजित एक रैली भी है। जहां सिद्धू की बयानबाजी नेताओं को रास नहीं आई। नवजोत सिंह सिद्धू ने पिछले दिनों जीतेगा पंजाब रैली का आयोजन किया था, जिसे लेकर अब रार शुरू हो गई है। प्रताप सिंह बाजवा ने सिद्धू से अपील की है कि वे पार्टी के आधिकारिक कार्यक्रम करें। उससे अलग हटकर अपना ही मंच न सजाएं। वहीं कई अन्य नेता तो ऐसे भी हैं, जिन्होंने सिद्धू के रैली करने को अनुशासनहीनता बताया है और पार्टी से अपील की है कि उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाए। यह संघर्ष इसलिए भी बढ़ा है क्योंकि रैली में सिद्धू ने पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी समेत पार्टी के ही कई नेताओं पर तंज कसा था।

संयुक्त बयान जारी कर कांग्रेस नेताओं ने पार्टी नेतृत्व से अपील की है कि सिद्धू के बयानों ने विधानसभा चुनाव में भी नुकसान पहुंचाया था। जीरा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह जीरा ने कहा कि पार्टी के सामूहिक प्रयासों को नवजोत सिंह सिद्धू की हरकतें नुकसान पहुंचाती हैं। इसका यह प्रमाण है कि 2017 में 78 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस 2022 में महज 18 सीटों पर ही ठहर गई। पार्टी के ही एक नेता नवजोत सिंह दहिया ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू कभी भी टीम प्लेयर नहीं रहे हैं। उन्होंने हमेशा अपनी हरकतों से पार्टी में लोगों का मनोबल गिराया है। इससे पहले प्रताप सिंह बाजवा ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, मैं उनसे इतनी ही अपील करूंगा कि कुछ परिपक्वता दिखाएं। कांग्रेस ने यदि आपको इज्जत दी है तो उसे हजम करना भी सीखो। इस तरह के काम मत करिए। आप प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे और आपके दौर में पार्टी 78 से 18 पर आ गई। बाजवा ने कहा कि हम तो सिद्धू को न्योता देते हैं कि वे पार्टी की ओर से आयोजित धरना-प्रदर्शन और कार्यक्रम में आएं।

इंडिया पर बहनजी का शायराना अंदाज... कब किसे कहा किसी जरुरत पड़े जाए

-अखिलेश के रुख पर दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इंडिया गठबंधन में सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश के रुख पर पलटवार किया है। मायावती ने विपक्षी दलों के गठबंधन को चेताकर कई बार ये ठीक नहीं है या ये उचित नहीं है कहकर निशाना साधा। इंडिया मीटिंग पर मायावती ने कहा, इस गठबंधन में बीएसपी सहित अन्य जो पार्टियां शामिल नहीं हैं, उनके बारे में किसी को भी बेकार की बात या कोई भी टीका टिप्पणी करना उचित नहीं है। इन बातों से गठबंधन के नेताओं को बचना चाहिए। यही मेरी उन्हें सलाह भी है।

मायावती ने कहा, भविष्य में देश हित में कब-किसको, किसकी जरूरत पड़ जाए, ये कुछ कहा नहीं जा सकता है। फिर इन लोगों और पार्टियों को शर्मिंदगी उठानी पड़ जाए, ये ठीक नहीं है। इस मामले में खासतौर पर समाजवादी पार्टी इसका जीता-जागता उदाहरण भी है। इसके अलावा, यहां मैं कहना चाहूंगी कि हमारी पार्टी पूर्ण रूप से धर्मनिरपेक्ष है। हमारे देश में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। उनके अपने अलग-अलग आस्था स्थल बने हैं, इन सभी स्थलों का हमारी पार्टी बीएसपी ने हमेशा सम्मान किया है। यूपी के अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर का जो अगले महीने उद्घाटन होने वाला है, उससे हमारी पार्टी

को कोई ऐतराज नहीं है।

दरअसल, मायावती ने सपा का उदाहरण के तौर पर जिक्र इसकारण किया है, क्योंकि यूपी की राजनीति में सपा और बसपा में बड़ा प्रतिद्वंदी माना जाता रहा है। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दोनों दलों ने हाथ मिलाकर गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हालांकि, आम चुनाव बाद ही दोनों दल एक बार फिर दूर होकर गठबंधन तोड़ दिया था। 25 साल पहले 1993 में सपा और बसपा के बीच गठबंधन हुआ था। तब सपा की कमान दिवंगत मुलायम सिंह और बसपा की कमान दिवंगत कांशीराम के हाथों में थी।

बसपा प्रमुख ने संसद सुरक्षा में चूक और उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा, हाल ही में संसद की सुरक्षा में जो सेंध लगाई गई है, ये ठीक नहीं है। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने से काम नहीं चलेगा। आरोपियों और साजिशकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होना भी बेहद जरूरी है। बहनजी ने कहा, हमारी पार्टी का मानना है कि मौजूदा संसद सत्र में करीब 150 सांसदों का निलंबन विपक्ष या मोदी सरकार के लिए कोई गुड वर्क या अच्छा कीर्तिमान नहीं है। इसके लिए कसूरवार कोई भी हो, लेकिन संसदीय इतिहास के लिए यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और जनता के विश्वास पर आघात पहुंचाने वाली है। संसद परिसर में निलंबित सांसदों द्वारा उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाने का वीडियो भी अनुचित और अशोभनीय है। विपक्ष-विहीन संसद में जरूरी विधेयकों का पारित होना भी एक अच्छी परंपरा नहीं है। यहां संसदीय परंपराओं को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक की नहीं है, बल्कि सभी की है।

सूत्रों ने बताया कि इंडिया अलायंस की बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी में बसपा को लेकर अपना रुख साफ किया है। उन्होंने कांग्रेस से दो टूक सवाल कर यूपी को लेकर दो शर्तें भी रख दी हैं। अखिलेश ने पूछा, क्या इस गठबंधन के इतर कांग्रेस पार्टी बसपा के साथ बातचीत कर रही है? क्या कांग्रेस बसपा को इस गठबंधन में लाना चाहती है? कांग्रेस सबसे पहले इसपर अपना रुख स्पष्ट करे। उन्होंने पूछ लिया कि अगर कांग्रेस ऐसा चाहती है, तब वह साफ कर दे क्योंकि तब समाजवादी पार्टी को भी अपना स्टैंड इस गठबंधन को लेकर साफ करना पड़ेगा। इस पर कांग्रेस ने साफ कर कहा, यूपी में कांग्रेस, सपा के साथ अपना गठबंधन धर्म निभाएगी।

दुल्हन की तरह सज रही अयोध्या, अलग-अलग भाषाओं में निर्देश पट्टिका लगेगी

-तमिल, तेलुगू जैसी भाषाओं की पटिटका लगेगी

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु राम की नगरी अयोध्या अपने आराध्य के स्वागत दुल्हन की तरह तैयार है। चारों ओर अयोध्या में त्रेता युग जैसा नजारा दिख रहा है। राम मंदिर तक जाने के लिए तीन कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है और तीनों कॉरिडोर पर रामायण कालीन चित्रों को उकेरा जा रहा है। 22 जनवरी को प्रभु राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। प्रभु राम के विराजमान होने से पहले पूरी नगरी को सजा दिया जाएगा।

अयोध्या के मठ-मंदिरों में दर्शन पूजन करने के लिए अब राम भक्तों को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो। इसके लिए प्रदेश की योगी सरकार राम नगरी के मठ मंदिरों तक जाने वाले मार्ग पर निर्देश पट्टिका लगाई जाएगी। देश के विभिन्न भागों से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए यहां अलग-अलग भाषाओं में पट्टिका लगाई जाएगी। इसमें दक्षिण की तमिल, तेलुगू जैसी बड़े पैमाने पर बोली जाने वाली भाषाओं में भी पट्टिकाएं होंगी।

बात दें कि अयोध्या में तीन कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। जिसमें सबसे लंबे कॉरिडोर का नाम राम पथ है, जो लगभग 13 किलोमीटर लंबा है। लता मंगेशकर चौक से लेकर सहादतगंज बायपास तक रामपथ का निर्माण चल रहा है, वहीं हनुमानगढ़ी श्रृंगार बैरियर से लेकर राम जन्मभूमि तक जाने के लिए भक्ति पथ बनाया जा रहा है। इसके साथ ही बिरला धर्मशाला के सामने से राम जन्मभूमि परिसर तक जाने के लिए जन्म भूमि पथ का निर्माण हो रहा है और इन तीनों कॉरिडोर से होकर अयोध्या के पौराणिक और मठ मंदिरों के दर्शन श्रद्धालु कर सकते हैं। श्रद्धालुओं के सुविधा अब प्रवेश द्वारों पर निर्देश पट्टिका लगाई जाएगी जो विभिन्न भाषा में अंकित होगी। अयोध्या पहुंचे एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया ने बताया कि अयोध्या के मंदिरों की तरफ जाने वाले मार्गों को चिन्हित कर उन मार्गों पर यथासंभव श्रद्धालुओं के चलने के लिए योजना बनाई गई है। जिस मार्ग से पैदल यात्री जा सके, उन मार्गों पर वाहनों को जाने से रोका जाएगा. यह भी निर्धारित किया जा रहा है की जहां पर वाहनों के आने की आवश्यकता है वे उस प्रकार से आए की अन्य लोगों का आना-जाना बाधित न हो, जिन मार्गों पर जिस प्रकार की आवश्यकता है।

ट्रंप से जुड़ी फर्जी मतदाता संबंधी शिकायत दूसरी बार खारिज

मैडिसन। विस्कॉन्सिन के द्विदलीय निर्वाचन आयोग ने ट्रंप से जुड़ी फर्जी मतदाता संबंधी शिकायत को दूसरी बार भी खारिज कर दिया है। बता दें कि शिकायत में कहा गया था कि 2020 में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में राज्य के फर्जी मतदाताओं ने डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में मतदान करने का प्रयास किया था। हालां?कि विस्कॉन्सिन निर्वाचन आयोग ने इससे पहले मार्च 2022 में शिकायत को खारिज किया था लेकिन एक न्यायाधीश ने मई के अपने आदेश में आयोग को शिकायत पर दोबारा सुनवाई करने का आदेश दिया था।

नयी सुनवाई में आयोग का एक सदस्य शामिल नहीं हुआ जिस पर पूर्व राष्ट्रपति के लिए फर्जी मतदाता बनने का आरोप है। आयोग ने शिकायत को खारिज करने का 5-0 की सर्वसम्मति वाला निर्णय बुधवार को जारी किया हालांकि उसने यह नहीं बताया कि शिकायत किस आधार पर खारिज की गई। चुनाव आयोग ने मंगलवार को शिकायत पर चर्चा की थी, साथ ही इस पर मतदान किया गया था। इस शिकायत में निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया गया था कि वह फर्जी मतदादाताओं की गतिविधि की जांच करे और इस बात की घोषणा करे कि उन्होंने कानून तोड़ा है। हालां?कि पिछले वर्ष आयोग ने शिकायत को खारिज करते हुए विस्कॉन्सिन न्याय मंत्रालय का एक पत्र संलग्न किया था जिसमें कहा गया था कि जिन रिपब्लिकन सदस्यों ने ट्रंप के लिए राज्य के 10 'इलेक्टोरल कॉलेज' वोट डालने का प्रयास किया इस ?लिए उन्होंने चुनाव से जुड़ा कोई भी कानून नहीं तोड़ा है।

हिजबुल्ला के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर आईडीएफ ने किया हमला

यरूशलम। लेबनान में हिजबुल्ला के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर आईडीएफ के हमले की खबर आ रही है। जानकारी के अनुसार इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह आंदोलन के एक ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला किया है। बता दें कि आईडीएफ ने बुधवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने लेबनान में हिजबुल्ला के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला किया। इस दौरान आईडीएफ ने कहा कि उसके सैनिकों ने मेतुला क्षेत्र में सीमा के पास लेबनान से सुरक्षा बाड़ के पास आने वाले कई आतंकवादियों की पहचान की। आईडीएफ सैनिकों ने उन पर गोलियां भी चलाईं। गौरतलब है कि 07 अक्टूबर को हमास ने सीमा पार गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया, जिसमें 1,200 से ज्यादा लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य को बंधक बना लिया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किया, गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास के लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी एन्क्लेव में जमीनी घुसपैठ शुरू की। इस संघर्ष में अबतक गाजा में 20,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

नवाज शरीफ मनसेहरा सीट से चुनाव लड़ेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ खैबर-पख्तूनख्वा के मनसेहरा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। यह जानकारी उनके दामाद कैप्टन (सेवानिवृत्त)

मुहम्मद सफदर ने बुधवार को दी। मनसेहरा के रहने वाले और शरीफ की बेटी मरियम नवाज के पति सफदर ने मीडिया को बताया कि 73 वर्षीय नवाज शरीफ नेशनल असेंबली के एनए 15 मनसेहरा-तोरघर निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र जमा कर रहे हैं। बता दें कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव के लिए मतदान होगा।यहां गौरतलब है कि मनसेहरा हजारा संभाग का हिस्सा है जिसे पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का गढ़ माना जाता है। कहा तो यह भी जा रहा है कि शरीफ मनसेहरा के अलावा लाहौर से भी चुनाव लड़ेंगे।

बैन आतंकवादी संगठन के नेता ने 70 समर्थकों के साथ किया सरेंडर

क्वेटा। दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में मुख्य उग्रवादी समूह के एक नेता ने सरेंडर कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार उसने कैमरे के सामने आकर कहा कि वह अपने करीब 70 समर्थकों के साथ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर रहा है। उसने यह भी कहा कि वह आजादी के लिए अपनी वर्षों की लड़ाई छोड़ रहा है। सरेंडर करने वाला विद्रोही समूह का नेता सरफराज बुंगुलजई है, जिसको पहले उसके उपनाम मुरीद बलूच से जाना जाता था। उसने बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में पत्रकारों से कहा कि उसे और उसकी बलूच नेशनल आर्मी (बीएनए) को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर किए गए घातक हमलों के लिए पश्चाताप महसूस होता है। बता दें कि सरकार ने बीएनए पर प्रतिबंध लगा रखा है। अब इस घटनाक्रम को पाकिस्तान सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वह भी विभिन्न समूहों के आतंकवादियों और विद्रोहियों से निपटने का प्रयास कर रही है। इस पर बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचनामंत्री जान अचईजई के साथ सरफराज बुंगुलजई ने भारत पर प्रांत में हिंसा को वित्त पोषित करने और युवाओं को आंदोलन में शामिल होने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। इसके लिए महिलाओं का शोषण करने का भी आरोप लगाया। उसने कहा कि पिछले 20 वर्षों के दौरान हजारों बलूच युवाओं की हत्या कर दी गई, केवल 2014 में 155 निर्दोष बलूच लोगों की हत्या कर दी गई क्योंकि उन्होंने रंगदारी देने से इनकार कर दिया था। बुंगुलजई ने जोर देकर कहा कि भारत बलूचिस्तान में आतंकवाद और अशांति को वित्त पोषित करता है, क्योंकि वह अफगानिस्तान में अपने समय के दौरान स्थिति को देख चुका है।

तूफान ओटिस से अबतक मरने वालों की संख्या 52 हुई

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में करीब दो महीने पहले आए तूफान ओटिस से मरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जानकारी के अनुसार अबतक मरने वालों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है, जबकि 32 लोग अभी भी लापता बताए गए हैं। ग्युरेरो राज्य के गवर्नर एवलिन सालगाडो ने कहा कि जमीन और समुद्र पर तलाशी जारी है। सालगाडो ने कहा कि कुल 31 लोग समुद्र में और एक व्यक्ति जमीन पर लापता है। हालांकि यह आधिकारिक अपडेट एक महीने बाद आया है जब लापता नाविकों के परिवारों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया था कि अधिकारियों ने उनके प्रियजनों की तलाश बंद कर दी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तूफान 25 अक्टूबर को मेक्सिको के दक्षिणी प्रशांत तट पर आया था, जिससे अकापुल्को और कोयुका डी बेनिटेज़ के होटलों और आवास बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान हुआ है। इधर राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर ने कहा कि उन्हें अकापुल्को के पुनर्जन्म और पड़ोसी कोयुका डे बेनिटेज की आबादी के पूरी तरह से ठीक होने की उम्मीद बनी हुई है। वह इस शहर को अब ?फिर से आबाद होते देखना चाहते हैं।

पूर्वी लंदन में झील के पास मिला लापता भारतीय छात्र का शव

लंदन। ब्रिटेन से पिछले हफ्ते लापता हुए 23 वर्षीय भारतीय छात्र का शव पूर्वी लंदन में झील के पास से मिला हैं। लॉफबोरो विश्वविद्यालय के छात्र गुरशमन सिंह भाटिया के 14 दिसंबर को दोस्तों के साथ रात बिताने के बाद कैनरी वार्फ से लापता होने की सूचना मिली थी। पुलिस के मुताबिक, छात्र को आखिरी बार 15 दिसंबर को सुबह करीब 04:20 बजे साउथ क्वे इलाके में सीसीटीवी में देखा गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारियों ने सीसीटीवी देखने, गवाहों से बात करने और फोन और वित्तीय डेटा का विश्लेषण करने सहित व्यापक पूछताछ की। पानी में तलाशी भी ली गई। बुधवार दोपहर को पुलिस गोताखोरों को साउथ क्वे में पानी में उसका शव मिला, और अधिकारी अब जांच में मदद के लिए लोगों से सहायता की अपील कर रहे हैं। हालांकि अभी तक औपचारिक पहचान नहीं हुई है, लेकिन जालंधर में गुरशमन के परिवार को सूचित कर दिया गया है। पुलिस ने कहा, गुरशमन की मौत अप्रत्याशित है। हालांकि ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह पता चले कि यह संदिग्ध है। उन्होंने कहा, इस वजह से हम गुरशमन की एक सीसीटीवी छवि जारी कर रहे हैं जो उसके लापता होने से पहले ली गई थी और हम चाहते हैं कि जिस किसी ने छात्र मार्श वॉल क्षेत्र में देखा, वो हमसे संपर्क करें।

इंडोनेशिया के माउंट मेरेपी ज्वालामुखी से उठता हुआ लावा और धूआं।

किम जोंग उन ने फिर दी परमाणु हथियारों से हमले की धमकी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर परमाणु हथियारों से हमला करने की धमकी दी है। किम ने अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण में शामिल सैनिकों की प्रशंसा की और कहा कि देश की यह नीति है कि दुश्मन देशों द्वारा उकसाए जाने पर परमाणु हमला करने में हिचकिचाया नहीं जाएगा। उत्तर कोरिया में पिछले वर्ष से परमाणु हथियारों के परीक्षण में तेजी आई है और देश के नेता किम जोंग उन कई बार परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की धमकी दे चुके हैं। हालांकि, कई विदेशी विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया को अभी तक सक्षम परमाणु मिसाइलें हासिल नहीं हुई हैं। जानकारी के अनुसार उत्तर कोरिया ने सोमवार को पांच महीनों में अपना पहला अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण पूरा किया है। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में अमेरिका-दक्षिण कोरियाई बैठक का भी हवाला दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि किम ने बुधवार को 'जनरल मिसाइल ब्यूरो में सैनिकों से मुलाकात की और उन्हें ठोस ईंधन वाली 'ह्वासोंग-18' मिसाइल के प्रक्षेपण पर बधाई दी। बैठक के दौरान किम ने कहा कि अगर दुश्मन परमाणु हथियारों से उसे उकसाता है तो वह परमाणु हमले से नहीं हिचकिचाएगा।

गाजा को मौत के मुंह में धकेल मौज काट रहे हमास नेता के सूटकेस में मिले करोड़ो डॉलर

गाजा (एजेंसी)। गाजा के लोगों को मौत के मुंह में धकेलकर हमास के नेता मौज काट रहे हैं। कोई विदेश में घूम रहा है तो कोई सुरक्षित स्थान पर बैठकर काजू बादाम खा रहा है। जबकि गाजा में रहने वाले लोगों के सामने खाने-पीने, रहने के अलावा युद्ध में घायल हुए मरीजों के इलाज के लिए दवा भी नहीं है, लेकिन हमास के नेता अभी भी आलीशान जिंदगी जी रहे हैं। हमास के आतंकियों और उनके आकाओं के सफाए में लगी आईडीएफ की टीम अब जमीनी स्तर पर उतरकर घर-घर जाकर छापेमारी कर रही है, इसी में उसको हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी के घर से 1.3 मिलियन डॉलर से अधिक नकद मिले हैं। आईडीएफ अधिकारियों ने कहा कि इजराइली रक्षा बलों ने उत्तरी गाजा में हमास के एक वरिष्ठ सदस्य के घर पर दो सूटकेस बरामद किए, जो पैसों से भरे हुए थे।

आईडीएफ की मल्टीडोमेन यूनिट के सदस्यों को जबालिया क्षेत्र में यह पैसा मिला, जोकि फिलिस्तीनी एन्क्लेव और इजराइल में इस्तेमाल की जाने वाली मुद्रा है। आईडीएफ ने कहा, यह पैसा हमास के एक शीर्ष सदस्य के घर से मिला और यह 7 अक्टूबर से नवंबर के अंत तक आतंकवादियों से जब्त की गई कुल राशि के बराबर है। ऐसा प्रतीत होता है कि पैसा गाजा के सहायता कोष से लूटा गया था। हालांकि इजराइल ने इस बारे में कुछ नहीं बताया है कि यह पैसा किस हमास लीडर के घर से बरामद हुआ है। इजराइली और फिलिस्तीनी सूत्रों के अनुसार, हमास के वरिष्ठ नेताओं पर लंबे समय से फिलिस्तीनी सहायता के लिए दान किए गए धन को चुराने का आरोप लगता है, जोकि फिलिस्तीन संघर्ष के लिए विदेशों से उनको मिलता है। हमास के अल-कसम ब्रिगेड का वार्षिक बजट 100 मिलियन से अधिक है, साथ ही समूह भूमिगत सुरंग प्रणाली की खुदाई और रखरखाव पर प्रति वर्ष 40 मिलियन खर्च करता है।

चोरी की गई सहायता राशि से के अलावा हमास के अधिकारी व्यापार, क्रिप्टोकरेंसी निवेश, टैक्स, जबरन वसूली और तस्करी के माध्यम से करोड़ों डॉलर कमाते हैं। माना जाता है कि गाजा पर शासन करने वाले आतंकवादी समूह का वार्षिक बजट 450 मिलियन है. 2006 में हमास के सत्ता में आने के बाद से इजराइल ने गाजा में आने वाले धन पर लंबे समय से नजर रखी है। आतंकवादी समूह हमास के तीन टॉप लीडर्स की कुल संपत्ति 11 अरब डॉलर है और वे कतर के अमीरात में विलासितापूर्ण जीवन जीते हैं। हमास का कतर की राजधानी दोहा में हेडक्वॉटर है और इसके नेता इस्माइल हनीयेह, मौसा अबू मरजुक और खालिद मशाल यहां पर शानदार जिंदगी बिता रहे हैं। हमास नेता इस्माइल हनीयेह का एक बेटा कतर में एक लक्जरी होटल सुइट में रहता है, जिसकी कीमत 4 बिलियन डॉलर से अधिक है, जबकि गाजा शहर के 2 मिलियन से अधिक निवासियों में से कई अत्यंत गरीबी में रहते हैं। 13 बच्चों के पिता हनीयेह की संपत्ति 4 अरब डॉलर से अधिक है। हमास का एक अन्य नेता खालिद मशाल टेबल टेनिस के शौकीन हैं और वह भी अरबों की संपति का मालिक है। वहीं हमास के एक वरिष्ठ नेता 72 वर्षीय अबू मरजुक कि उनकी संपत्ति 3 बिलियन है। बता दें कि इजराइल और हमास लड़ाकों के बीच 70 दिन से अधिक दिनों से जंग जारी है। 7 अक्टूबर को हुए हमले के जवाब में इजराइल के गाजा पट्टी पर हमलों से 30 फीसदी से मकान जमींदोज हो चुके हैं और 19 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी हैं।

कोई नहीं जानता कि रूस-यूक्रेन युद्ध कब समाप्त होगा - जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि जल्द ही उन्हें सतह से हवा में मार करने वाली नए पैट्रियट वायु रक्षा और राष्ट्रीय उन्नत मिसाइल सिस्टम प्राप्त होंगे। मंगलवार रात अपने वार्षिक मीडिया सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि रूस का यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध कब खत्म होगा। यहां तक कि सम्मानित लोग, हमारे कमांडर और हमारे पश्चिमी साथी, जो कहते हैं कि युद्ध कई सालों तक चलेगा, वे भी नहीं जानते। इस साल युद्ध में यूक्रेन की उपलब्धियों पर टिप्पणी करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को काला सागर में बड़ी जीत हासिल हुई है, जबकि रूस ने इस साल अपना कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया है।

यूक्रेन और विदेशों में, हर कोई इस बात की सराहना कर सकता है कि रूसी बेड़े को यूक्रेनी काला सागर में अपने पूर्ण प्रभुत्व से वंचित कर दिया गया था। यूक्रेन के जवाबी हमले पर जेलेंस्की ने कहा कि तथ्य यह है कि कीव का आकाश पर नियंत्रण नहीं है और उसके पास पर्याप्त गोला-बारूद नहीं है, जिसने इस साल दक्षिणी क्षेत्रों में सैन्य अभियानों को प्रभावित किया है।राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य कमांडरों ने उन्हें यूक्रेन की रक्षा और संभावित जवाबी कार्रवाई में भाग लेने के लिए अतिरिक्त 450,000 से 500,000 सैनिक जुटाने की पेशकश की है, लेकिन उनकी लामबंदी पर निर्णय को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है।

यूक्रेन के कुछ हिस्सों को नाटो में शामिल करने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर जेलेंस्की ने कहा कि कुछ जोखिमों के कारण यह विकल्प तालिका से बाहर है। कीव को गठबंधन में आंशिक परिग्रहण के संबंध में कोई आधिकारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर टिप्पणी करते हुए, यूक्रेनी नेता ने कहा कि जल्द ही उनके देश को अपने भागीदारों से कई नए पैट्रियट वायु रक्षा सिस्टम और राष्ट्रीय उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल सिस्टम प्राप्त होंगे। इसके अलावा, अगले साल यूक्रेन लगभग 1 मिलियन ड्रोन का उत्पादन की योजना बना रहा है।

ईरान में बगैर हिजाब के होटल या रेस्टोरेंट में नहीं मिलेगा प्रवेश, नियमों के उल्लंघन पर मिलेगी सख्त सजा

तेहरान (एजेंसी)। बेहिजाब घूमने वाली महिलाओं पर ईरान की हुकूमत ने एक बार फिर शिकंजा कसा है। नए नियमों के मुताबिक बगैर हिजाब के किसी दुकान, होटल या रेस्टोरेंट में प्रवेश नहीं मिलेगा। यदि नियमों का उल्लंघन होता है तो संबंधित संस्थान को शील कर दिया जाएगा। इसके अलावा बाइक पर बगैर हिजाब के घूमने पर बाइक को जब्त करने का प्रावधान किया गया है। तत्काल सजा देने के लिए ईरानी सरकार ने मोबाइल कोर्ट स्थापित करने की योजना बनाई है। एक गुप्त दस्तावेज लीक होने से इसका खुलासा हुआ है। दस्तावेजों पर अप्रैल और मई की तारीख है, जिसमें हिजाब पहनने की अनिवार्यता सहित ड्रेस कोड नियमों का उल्लंघन करने वाली महिलाओं को सजा देने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल कोर्ट की स्थापना की योजना बताई गई है। दस्तावेज दर्शाता है कि स्कूली छात्राओं को शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से सजा का सामना करना पड़ सकता है। इन निर्देशों को लागू करने के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) खुफिया सेवा, खुफिया मंत्रालय और सुरक्षा पुलिस को शक्तियां दी गई है।

इसके अलावा खुले बालों के साथ महिलाओं के घर से निकलने पर रोक होगी। वे अगर बाइक पर खुले बालों के साथ सफर करते पकड़ी जाती हैं तो बाइक चलाने वाले को सजा हो सकती है। बिना हिजाब के साथ महिलाएं जिस भी गाड़ियों में जा रही होंगी उन्हें जब्त किया जा सकता है। कैफे-रेस्त्रां में भी अगर महिलाएं बिना हिजाब के पकड़ी जाती हैं तो उस कैफे-रेस्त्रां को बंद किया जा सकता है। इस बात पर जोर दिया गया है कि बिना हिजाब के घर से निकलने वाली महिलाओं पर तमाम जरूरी कार्रवाई की जाए, ताकि वे हिजाब-ड्रेस कोड का पालन करें।निर्देशों में यह भी कहा गया है कि हिजाब न पहनने वाली स्कूली छात्राओं के दस्तावेज तैयार करने, ड्रेस कोड का पालन न करने या नामचीन हस्तियों के लिए कड़ी सजा, नियमों का पालन नहीं करने वाले व्यवसायों को सील करने या बंद करने जैसे प्रावधान शामिल हैं। इन निर्देशों के बाद से ड्रेस कोड का उल्लंघन करने वाली महिलाओं और उन कंपनियों की भी निगरानी बढ़ा दी गई है, जहां महिलाएं अक्सर बिना हिजाब के देखी जाती हैं। तेहरान में मेट्रो स्टेशनों पर हिजाब लागू करने वालों की मौजूदगी पहले ही देखी जा चुकी है। यह प्रक्रिया पहले से चल रही है, जहां महिलाओं के विरोध-प्रदर्शनों के बाद से ही नए और कड़े नियम लागू किए गए हैं।

अफगानिस्तान में आतंकवाद से निपटने को पहली प्राथमिकता भारत की: रुचिरा कंबोज

जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में नई दिल्ली की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज के अनुसार, भारत अफगानिस्तान में आतंकवाद से निपटने को पहली प्राथमिकता मानता है। उन्होंने सुरक्षा परिषद को बताया, अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में भारत की सीधी भागीदारी है। तालिबान शासित अफगानिस्तान में तत्काल प्राथमिकताओं को सूचीबद्ध कर उन्होंने महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा और समावेशी सरकार के गठन के साथ-साथ आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने का उल्लेख किया।

भारत ने अफगानिस्तान को भौतिक मानवीय सहायता प्रदान की है, और अफगान छात्रों के लिए अपनी शैक्षिक छात्रवृत्ति भी जारी रखी है। भारत ने यूएनडब्ल्यूएफपी (विश्व खाद्य कार्यक्रम) और यूएनओडीसी (ड्रग्स और अपराध पर कार्यालय) सहित विभिन्न संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ उनके मानवीय प्रयासों में भागीदारी की है। कंबोज ने भारत को अफगानिस्तान का निकटवर्ती पड़ोसी बताकर इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर सहित पूरा कश्मीर भारत का हिस्सा है। जिनेवा में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के प्रमुख, रमेश राजसिंघम ने कहा कि अफगान लोगों की मानवीय जरूरतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं, 29 मिलियन से अधिक लोगों को मदद की आवश्यकता है।

पश्चिमी प्रांत हेरात में 8 दिनों में आए 6.3 तीव्रता के तीन भूकंपों से 40,000 घर क्षतिग्रस्त हो गए, इससे 275,000 लोग प्रभावित हुए। पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में, पाकिस्तान से लौटने वाले अफगानों की संख्या में नाटकीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, 450,000 से अधिक अफगान वापस आ गए हैं, इसमें से 85 प्रतिशत से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। अमेरिकी वैकल्पिक प्रतिनिधि रॉबर्ट वुड ने कहा कि अमेरिका तालिबान के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में तब तक किसी महत्वपूर्ण कदम पर विचार नहीं करेगा, जब तक महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा, कार्यबल और सामाजिक और राजनीतिक जीवन के अन्य पहलुओं तक सार्थक पहुंच नहीं मिल जाती। उन्होंने कहा, सुरक्षा परिषद को तालिबान पर उसके विनाशकारी रास्ते को पलटने के लिए दबाव डालने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए। लेकिन चीन के उप स्थायी प्रतिनिधि गेंग शुआंग ने तालिबान शासन के साथ बिना शर्त बातचीत का आह्वान किया और कहा कि बीजिंग महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे को सहायक या हथियार बनाने के प्रयासों का विरोध करता है।

पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के घर आतंकी हमला, दो पुलिसकर्मी घायल

लाहौर। आतंक फैलाने में माहिर पाकिस्तान खुद आतंकियों के निशाने पर है। यहां आए दिन धमाके हो रहे हैं। देश के प्रमुख लोगों के यहां भी हमले होने लगे हैं। बीते रोज पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार के लाहौर स्थित आवास पर आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया है। जिसमें दो पुलिसकर्मी बुरी तरह घायल हुए है। पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, पूर्व चीफ जस्टिस के घर पर गैराज में ग्रेनेड से हमला हुआ है। इस धमाके की चपेट में आने से दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पाक मीडिया चैनलों के मुताबिक, धमाका से सीजेपी की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। हालांकि हमले में निसार और उनका परिवार बाल-बाल बच गया। पुलिस अधिकारियों ने प्राथमिक जांच में आतंकी हमला या विदेशी साजिश का शक जताया है। बता दें कि बतौर चीफ जस्टिस निसार ने 2017 में पूर्व पीएम नवाज शरीफ को अयोग्य करार दिया था। बता दें कि न्यायमूर्ति निसार 18 फरवरी, 2010 में शीर्ष अदालत के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। इससे पहले, वह लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। साल 2017 में उन्होंने नवाज शरीफ को पीएम पद के लिए अयोग्य ठहराया था। एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि प्रांतीय पुलिस प्रमुख उस्मान अनवर ने घटना का संज्ञान लिया है और लाहौर के पुलिस अधिकारी से रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि घायल पुलिसकर्मियों को सर्वोत्तम इलाज दिया जाएगा। पंजाब पुलिस ने कहा, पूर्व सीजेपी के परिवार के सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

नासा का ऐलान, अमेरिका चांद पर उतारेगा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री

वाशिंगटन (एजेंसी)। नासा ने ऐलान किया है कि वह चांद पर अंतरराष्ट्रीय यात्री को उतारेगा। अमेरिका ने यह फैसला नासा के आर्टेमिस मिशन के तहत लिया है। इस संबंध में अमेरिका की ओर से कहा गया है कि अपने देश के यात्रियों के साथ वह मिशन में एक अंतरराष्ट्रीय यात्री को भी चंद्रमा पर उतरने का मौका देगा। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को ये घोषणा करते हुए आर्टेमिस मिशन के तहत चंद्रमा पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्रियों को उड़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी। जिसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति की ओर से ये खास ऐलान हुआ है। बता दें कि अमेरिका के साथ कई देश इस मिशन का हिस्सा हैं, इन देशों में भारत भी शामिल है। हैरिस ने वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय अंतरिक्ष परिषद की बैठक के दौरान कहा कि आर्टेमिस मिशन में हमारे सहयोगियों और साझेदारों ने एक शानदार भूमिका निभाई है। उनकी इस आवश्यक भूमिका को समझते हुए मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इस दशक के अंत तक चंद्रमा की सतह पर उतारने का इरादा हैं। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय अंतरिक्ष परिषद की इस बैठक में हैरिस के साथ विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन भी शामिल थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने इस मिशन की जानकारी देते हुए कहा कि एक आर्टेमिस चंद्रमा-लैंडिंग मिशन में चार अंतरिक्ष यात्रियों के लिए जगह होगी लेकिन प्रत्येक अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर नहीं चलेगा। प्रति मिशन केवल दो अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे, जबकि शेष दो केवल ओरियन अंतरिक्ष यान या गेटवे नामक एक छोटे अंतरिक्ष स्टेशन में चंद्रमा की परिक्रमा करेंगे।

इस के बारे में नासा ने बताया है कि यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्रियों के गेटवे के लिए उड़ान भरने के लिए तीन अवसरों, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए गेटवे के लिए उड़ान भरने का एक अवसर और एक जापानी अंतरिक्ष यात्री के लिए गेटवे के लिए उड़ान भरने का एक अवसर देने की योजना है। कनाडा के यात्री हैनसेन ने कहा कि नासा इस मिशन को अकेले नहीं कर सका था। इसीलिए कनाडा और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को शामिल किया गया।

संपादकीय

पैर पर कुल्हाड़ी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की भारत संबंधी स्वीकारोक्ति सुखद और स्वागतयोग्य है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के दुखों के पीछे अमेरिका या भारत नहीं हैं, पाकिस्तान ने अपने पैरों पर खुद ही कुल्हाड़ी मारी है। गौर करने की बात है कि पाकिस्तान इन दिनों गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है और वहां नकदी का बहुत अभाव हो गया है। अभी जो माहौल पाकिस्तान में बन रहा है, उससे तो ऐसा लगता है कि नवाज शरीफ अपनी पाकिस्तान वापसी के बाद देश का नेतृत्व संभालने को तैयार हैं। अत- स्वयं पाकिस्तान की खामी को स्वीकार करना एक तरह से जरूरी भी है। अक्सर पाकिस्तान में हर तरह की कमी के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। पाकिस्तानी सत्ताधीशों के लिए यह कोई नया बहाना नहीं है। वास्तव में, ऐसे बहाने बनाकर या भारत का भय दिखाकर वहां की सेना भी अपनी चौधराहट से बाज नहीं आ रही है। अब कोई आश्चर्य नहीं कि नवाज शरीफ ने परोक्ष रूप से देश के संकटों के लिए अपनी ही ताकतवर सेना की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा है कि सेना ने धांधली करके एक सरकार साल 2018 में देश पर थोप दी थी, जिससे लोगों को परेशानी हुई और पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था भी खराब हो गई। नवाज शरीफ अच्छे से जानते हैं कि पाकिस्तान में फौज का शिकंजा कैसा है? ऐसा नहीं है कि इस बात को इमरान खान नहीं जानते थे, मगर उन्होंने फौज की पकड़ को कमजोर करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया और पता नहीं, नवाज शरीफ को इसमें कितनी कामयाबी मिलेगी? इसमें कोई शक नहीं है कि पाकिस्तान को एक ऐसे प्रधानमंत्री की जरूरत है, जो देश के हालात को ईमानदारी से समझता हो और फौज को लोकतांत्रिक परिधि में अनुशासित कर सके। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का नेतृत्व कर रहे नवाज शरीफ के ईमानदार बयानों से अच्छे संकेत मिलते हैं, पर बड़ा सवाल है कि क्या वह चौथी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन पाएंगे? अफसोस, वह विगत तीन दशक में तीन बार प्रधानमंत्री रहे हैं, पर फौज में सुधार के बजाय बिगाड़ ही ज्यादा हुआ है। नतीजा सामने है, पाकिस्तान समस्याओं की गर्त में धंसता चला जा रहा है। 73 वर्षीय शरीफ ने तो सैन्य तानाशाहों को वैध ठहराने के लिए अपने देश के न्यायाधीशों की भी आलोचना की है, पर क्या चुनाव जीतने के बाद भी उनके ऐसे ही विचार बने रहेंगे? पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान वास्तव में खुद अपना ही दुश्मन बना हुआ है। उसी की वजह से जेल की सजा से बचने के लिए नवाज शरीफ को चार साल निर्वासित रहना पड़ा। अब वह लौटे हैं, तो उन्हें सत्ता में आने पर देश की सच्ची सेवा का मौका नहीं गंवाना चाहिए। पाकिस्तान को आगे बढ़ाने के लिए वहां की अर्थव्यवस्था को सुधारना सबसे जरूरी है। यह नवाज शरीफ का सौभाग्य है कि उनका देश उन्हें चौथी बार मौका दे सकता है, जबकि उधर अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने एक ही बार राष्ट्रपति रहते ऐसी-ऐसी गलतियां की हैं कि उनका आगे चुनाव लड़ना भी मुश्किल नजर आ रहा है। ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए, कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट ने 6 जनवरी, 2021 कैपिटल हमले में शामिल होने के चलते उन्हें मतदान से हटा दिया है। मतलब, कोई भी देश आपको जब शासन का मौका देता है, तो उसकी सेवा संविधान के तहत ईमानदारी और पूरी शालीनता के साथ होनी चाहिए, ताकि आगे भी सेवा के मौके आसानी से मिलते रहें।

आज का राशीफल

मेष — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ — व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह — पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या — व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक — पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर — रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

केंद्रीय बजट से ही सुधरेगी किसान की दशा

देविंदर शर्मा

कुछ दिन पहले की बात है, महाराष्ट्र के हिंगोली ज़िले के दस कर्जदार किसानों ने वहां के मुख्यमंत्री से एक अनोखी व अद्भुत गुजारिश की। जिसके तहत उन्होंने पैसा वसूली के लिए अपने शारीरिक अंगों की नीलामी करने की इच्छा जताई। जिससे वे राष्ट्रीयकृत बैंकों को भुगतान कर सकें। उन्होंने अपने अंग बेचने का प्रस्ताव रखा, और असल में उन्होंने बाकायदा 'रेट कार्ड' भी तैयार कर रखा था- लीवर के लिए 90,000 रुपये, किडनी के लिए 75,000 रुपये और एक आंख के 25,000 रुपये। इस अजीबोगरीब प्रस्ताव से महाराष्ट्र विधानसभा में हंगामा अवश्य हुआ, लेकिन कुछेक दिनों बाद ही सब भुला दिया। त्रासदी यह है कि जो बात कृषि संकट को प्रकट करे उसे इतनी आसानी से अनदेखा कर दिया जाता है। यह भी ऐसे में जब बकाया कर्ज न चुका पा सकने वाले कार्पोरेट, यहां तक कि वे ऐसा करने की स्थिति में होते हैं, तो भी न केवल राजनीतिक नेतृत्व बल्कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) भी उनको सुरक्षा घेरा प्रदान कर देता है। कुछ माह पूर्व की घटना है, 16,044 जानबूझकर डिफाल्टरों के साथ समझौता करने को लेकर आरबीआई ने रक्षा कवच की भूमिका निभाते हुए बैंकों को निर्देश दिया था जिन्हें बैंकों के 3.45 लाख करोड़ रुपये का बकाया वापस करने में असफल रहने के लिए किसी भी स्थिति में जेल भेजा जाना चाहिये था। बता दें कि जानबूझकर डिफाल्टर उन्हें कहा जाता है जो अदायगी में सक्षम होते हुए भी ऐसा करने से इंकार कर देते हैं। हकीकत तो यह है कि वे बैंकिंग प्रणाली के तहत जवाबदेही से जुड़े नियम-कानूनों को ठेंगा दिखाते हैं। इसके बावजूद, उनके प्रति आरबीआई नरमी बरत रहा है। बारह माह के कूलिंग पीरियड के बाद बैंकों को नए कर्ज देने की भी अनुमति दी गई है। विडंबना, इन जानबूझकर डिफाल्टरों को असल में जान-बूझकर भुगतान करने में असमर्थता के कारण माफ कर दिया गया है, और फिर भी उन्हें नए कर्ज दिए जा रहे हैं, जिससे वे फिर से चूक कर सकते हैं और वापस अदायगी करने से ना-नुकुर कर सकते हैं। अब एक मिसाल कायम होने के बाद, वे कुछ सालों के बाद फिर एक और कर्ज की रकम माफी की उम्मीद करेंगे। यदि केवल आरबीआई ने कर्ज न चुका सकने वाले किसानों पर भी बैंकों को नरमी बरतने को कहा होता तो मुझे पक्का यकीन है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) साल 2022 के लिए जो रिपोर्ट दी थी उसमें से अधिकतर किसानों और कृषि श्रमिकों द्वारा किये गये सुसाइड को आसानी से टाला जा सकता था। साल 2021 में रिपोर्ट किये गये कृषि क्षेत्र में आत्महत्याओं के 10881 मामलों के मुकाबले, एनसीआरबी द्वारा साल 2022 में इस क्षेत्र में सुसाइड के 3.7 प्रतिशत मामले ज्यादा दर्ज किये गये जब कुल 11290 किसानों व कृषि श्रमिकों ने घातक रास्ता अख्तियार किया। साल 2022 में जिन कुल 5207 किसानों ने अपनी जान दी, उनमें 208 महिलाएं थीं। इसी तरह सुसाइड करने वाले 6083 खेत मजदूरों में 611 महिला श्रमिक थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें अधिकतर आत्महत्याएं महाराष्ट्र, कर्नाटक व मध्य प्रदेश में हुईं। अकेले महाराष्ट्र में कुल किसान-श्रमिक आत्महत्याओं में से 38 प्रतिशत यानी 4,248 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। यदि पहले वर्णित की गयी घटना यानी हिंगोली जिले में कुछ किसानों द्वारा प्रस्तावित शरीर के अंगों की नीलामी की रिपोर्ट के हिसाब से देखा जाए, तो महाराष्ट्र में जारी संकट तत्काल नीतिगत कदम उठाने की जरूरत बताता है। ऐसा ही देश के बाकी हिस्सों के साथ भी है, जहां कृषि संकट गहराता जा रहा है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस पहले ही पीएम किसान स्कीम में आवंटन दोगुना करने की घोषणा कर चुके हैं। केंद्र द्वारा किसानों को हर वर्ष दिए जाने वाले 6,000 रुपये के अलावा, महाराष्ट्र भी उतनी ही राशि देगा, जिससे आवंटन बढ़कर 12,000 रुपये सालाना हो जाएगा। कुल 1.7 करोड़ से अधिक किसानों को 1 रुपये में फसल बीमा का लाभ दिया गया है, लेकिन यह कौन सुनिश्चित करेगा कि किसानों की फसल के नुकसान के लिए बीमा कंपनी उन्हें उचित मुआवजा देगी? हमने किसानों को फसल के खराबे की क्षतिपूर्ति के रूप में 15 रुपये, 100 रुपये, 200 रुपये आदि भुगतान की रिपोर्ट देखी है। फसल बीमा को किसानों के लिए एक बड़े लाभ के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि 2016 में योजना शुरू होने के बाद से निजी बीमा कंपनियां 57,619 करोड़ रुपये का मुनाफा बटोर चुकी हैं। वास्तव में, पीएम फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) एक ऐसी बड़ी योजना लगती है जो बीमा कंपनियों के लिए बड़ा मुनाफा यकीनी बनाती है। फिर भी, इधर-उधर की बातों से काम नहीं चलने वाला। महाराष्ट्र को समुचित नीतियों और संबंधित प्रोत्साहनों के एक वैकल्पिक पैकेज की आवश्यकता है जो पुनर्जीवित कृषि का बीज बो सके। आख़िरकार, यदि गन्ने का मात्र 4 प्रतिशत क्षेत्र 70 प्रतिशत भूजल खींच सकता है, तो जब तक जल संतुलन ठीक नहीं हो जाता, तब तक खेती के पुनर्निर्माण में सहायता कैसे मिलेगी? लेकिन बड़ा सवाल यह है कि पानी की ज्यादा खपत वाले गन्ने के क्षेत्र को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की बात करने की राजनीतिक हिम्मत किसमें होगी? यह सिर्फ एक असंतुलन है जो किसी भी खेत की आर्थिक व्यवहार्यता से संबंधित है। देशभर में ग्रामीण मजदूरी में गिरावट आई है, और यहां तक कि सकल कृषि मूल्यवर्धन (जीवीए) भी वित्त वर्ष 2012 के बाद से सबसे कम रहा है, जिससे ग्रामीण उपभोग में कमी आई है। हम जो आर्थिक तेजी देख रहे हैं वह शीर्ष के 10 फीसदी लोगों के हाथों में केंद्रित है। इसे ज़्यादातर ऑटोमोबाइल बिक्री के नजरिये से देखा जाता है। महानगरों में जहां चौपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ रही है, वह भी लग्जरी सेग्मेंट में सबसे ज्यादा वृद्धि पर है, वहीं दोपहिया वाहनों की बिक्री अभी भी रफ्तार नहीं पकड़ रही है। आम तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि ग्रामीण मजदूरी में वृद्धि के बाद ही ग्रामीण आबादी साइकिल से स्कूटर-मोटरसाइकिल की ओर स्थानांतरित होती है। जैसा कि एनसीआरबी का मानना है, बढ़ती सुसाइड दर के मूल में कृषि संकट प्राथमिक कारण है। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्र की मांग सुस्त बनी हुई है। शायद बिगड़ते कृषि परिदृश्य का बेहतर प्रतिबिंब सबसे अमीर व्यापारिक ब्लॉक, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की नवीनतम रिपोर्ट से मिलता है। ओईसीडी के 38 सदस्यों सहित 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में कृषि क्षेत्र के विश्लेषण में, अध्ययन से पता चलता है कि भारत में किसानों पर वर्ष 2000 से लगातार कर लगाया जा रहा है। हालांकि कुछ देश ऐसे हैं जहां कृषि नकारात्मक क्षेत्र में है लेकिन इन सभी देशों ने कृषि घाटे को बजटीय मदद से पूरा कर लिया है। लेकिन भारत में बजट प्रदत्त मदद कृषि आय में लगातार जारी गिरावट को पूरा करने में असफल रही है। सरल तरीके से कहें तो इसका मतलब है कि जबकि वार्षिक बजट के जरिये जहां अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को भरपूर मदद प्रदान की गयी, केवल कृषि ही ऐसा क्षेत्र था जिसे भगवान भरोसे छोड़ दिया गया। इसके साथ ही, अध्ययन स्पष्ट तौर पर यह स्थापित करता है कि सालों तक विभिन्न योजनाओं को लागू करने के बावजूद कृषि के लिए बजटीय मदद खेती करने वाले समुदाय को लाभदायक आय प्रदान करना यकीनी बनाने में असफल रही है। आर्थिक संजाल इतनी चतुराई से रचा गया कि किसान को अन्नदाता कहकर प्रचारित किया गया लेकिन उन्हें सहायता के रूप में जो मिलता है वह नाममात्र का होता है। यही प्रमुख कारण है कि कृषि का सभी समस्याओं से दो-चार होने का संघर्ष जारी है और हर बीतते साल के साथ केवल संकट का स्तर बढ़ता ही जाता है। जैसे कि मैं बार-बार दोहराता हूं- किसानों को जुताई करते वक्त इस सच्चाई का कम ही अहसास होता है कि वे असल में घाटे के लिए खेती कर रहे हैं। लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

अब नहीं मिलते पहले जैसे फैमिली डॉक्टर

आर.के. सिन्हा

निश्चित रूप से अगर आपकी उम्र पैंतालीस-पचास साल से अधिक होगी तो आपको याद होगा कि पहले हर शहर की हर कॉलोनी में वे डॉक्टर प्रैक्टिस करते थे, जिन पर सैकड़ों परिवार भरोसा रखते थे। वे परिवार के किसी सदस्य के बीमार होने पर उसके पास तुरंत चले जाते थे। वे डॉक्टर रोगी का कायदे से इलाज करते थे क्योंकि, वे रोगी को पहले से ही अच्छी तरह से जानते थे। वह रोगी की सारी व्यथा को सुनने के बाद सही दवाई बताता था। क्योंकि उसे रोगी के परिवार के हरेक सदस्य के बारे में विस्तार से जानकारी हुआ करती थी। बहुत अवसरों पर तो इनमें पारिवारिक संबंध भी हुआ करते थे। उसे ही कहा जाता था फैमिली डॉक्टर। अब फैमिली डॉक्टरों की संस्था लुप्त-सी हो गई है। उनकी जगह ले ली है क्लीनिकों, नर्सिंग होम और बड़े अस्पतालों में बैठने वाले डॉक्टरों ने। उनका अपने किसी भी रोगी से कोई संबंध नहीं होता। वह फैमिली डॉक्टर से बिलकुल ही अलग होता है। फैमिली डॉक्टर को जब भी बुलाया जाता था तो वह अपना डॉक्टर का बैग लेकर मरीज के पास पहुंच जाता था। रोगी को देखने के बाद रोगी के घर में चाय-नाश्ता करने के बाद ही जाता। ये फैमिली डॉक्टर ग़रीब और दूरदराज से आये रोगियों को भी अपना समझकर इलाज करते थे। उनके रोगी आज के दिन अपने को अनाथ महसूस कर रहे हैं। उनके लिए सांत्वना के कोई शब्द नहीं मिलते। कुछ साल पहले तक हर मोहल्ले में दो-तीन फैमिली डॉक्टर सक्रिय रहते थे। वे तेज बुखार, जोड़ों में भयंकर पीड़ा और शरीर के बाकी भागों में किसी तकलीफ की स्थिति में रोगियों का इलाज कर दिया करते थे। वे दवाएं लिखते और रोगी उन्हें लेने के बाद ठीक होने लगता। इतना बोल देते कि अगर दवा काम नहीं करेंगी तो तभी जांच करायेंगे। पर आमतौर पर फैमिली डॉक्टर की दवा लेने के बाद मरीज का बुखार उतर जाता, उलटियां नहीं होती और बदन दर्द में भी आराम मिल जाता। राजधानी के करोल बाग में भी कुछ साल पहले तक डॉ. कुसुम जौली भल्ला नाम की एक मशहूर फैमिली डॉक्टर थीं। वह जनरल फिजिशयन के साथ-साथ स्त्री रोग विशेषज्ञ थीं। उनके पास वेस्ट दिल्ली के बहुत सारे लोग आते। डॉ. कुसुम अपने रोगियों से पारिवारिक संबंध बना लेती। वह कथाकार भीष्म साहनी से लेकर न जाने कितने परिवारों की फैमिली डॉक्टर भी थीं। डॉ. कुसुम के रोगी उन्हें सुबह पार्क में ही घेर लेते थे। वहां पर रोगी और डॉक्टर के बीच संवाद चालू हो जाता और दवाई बता दी जाती। ये सिलसिला लगातार जारी ही रहता था। उनके क्लीनिक में 'तमस' जैसी कालजयी रचना के लेखक भीष्म साहनी भी आते थे। भीष्म साहनी की मृत्यु के बाद डॉ. कुसुम बेमन से ही कभी-कभार पार्क जातीं। अब उनका वक्त अपने मेडिकल सेंटर में ही बीतता। सुबह से शाम तक रोगी आते-जाते रहते। उनमें महिलाएं ही अधिक होती। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से एमडी करने के बाद डॉ.कुसुम ने 'अपना होप' नाम से क्लिनिक खोला था। उनका बांझ स्त्रियों के इलाज में महत्वपूर्ण शोध था। डॉ. कुसुम देश की उन पहली चिकित्सकों में थी, जिन्होंने सैकड़ों नि:संतान दम्पतियों को कृत्रिम गर्भाधान विधि से संतान सुख दिया था। वह महिला बांझपन के लक्षण, कारण, इलाज, दवा, उपचार पर निरंतर अपने रिसर्च पेपर देश-विदेश में होने वाले सम्मेलनों में प्रस्तुत कर ही रही थीं। पर डॉ. कुसुम की 2013 में अकाल मृत्यु से बहुत रोए थे उनके रोगी भी। अब तो रोगी डॉक्टरों के पास जाने से भयभीत रहते हैं। उन्हें पता होता है कि डॉक्टर साहब उन्हें एक बाद एक टेस्ट करवाने के लिए कहेंगे। यह अच्छी बात है कि कुछ डॉक्टरों ने रोगियों के अनाप-शनाप टेस्ट करवाने की बढ़ती मानसिकता पर विरोध भी जताया है। वे इन टेस्ट को बंद करने की जोरदार तरीके से वकालत कर रहे हैं। किसी डॉक्टर को कायदे से रोगी को कितने टेस्ट करवाने के लिए कहना चाहिए? इस सवाल का जवाब तो डॉक्टर ही दे सकते हैं, पर रोगियों को अनेक टेस्ट करवाने के लिए कहना अब रोगियों और उनके संबंधियों के लिए जी का जंजाल बन चुका है। उस दीन-हीन रोगी को पता ही नहीं होता कि जिन टेस्ट को करवाने के लिए उससे कहा जा रहा है, उसकी उसके इलाज में कितनी उपयोगिता है। चूंकि डॉक्टर साहब का आदेश है तो उसका पालन करना उस बेचारे रोगी का धर्म है। यह सब डॉ. अमृता जैसे डॉक्टर नहीं करते थे। इसलिए ही इन डॉक्टरों का समाज में सम्मान था। उन्हें भगवान समझा जाता था। अब तो शायद ही कोई बहुत भाग्यशाली रोगी होगा, जिसे डॉक्टर ने बहुत से टेस्ट करवाने के लिए नहीं कहा हो। कुछ डॉक्टरों की इसी सोच को चुनौती दे रहे हैं जिनमें हैं, राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉ. राजीव सूद,

एम्स के प्रख्यात कार्डियालोजिस्ट डॉ. बलराम भार्गव और सर गंगाराम अस्पताल के गेस्ट्रो विभाग में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. समीरन नंदी। डॉ. राजीव सूद मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज तथा एम्स के छात्र रहे। एम्स से यूरोलॉजी की डिग्री लेने के बाद वे राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े। डॉ. राजीव सूद 40 सालों की सरकारी सेवा करने के बाद हाल ही में रिटायर हुए तो उनके सैकड़ों रोगी परेशान हैं। वे तो निस्वार्थ भाव से रोगियों का इलाज कर रहे थे। उन्होंने बाबू जगजीवन राम से लेकर न जाने कितने रोगियों का इलाज किया। उन्होंने ही ठग सम्राट नटवरलाल का भी इलाज किया था। सब जानते हैं नटवरलाल को। बहरहाल, हमें राष्ट्रहित और समाजहित में फिर से फैमिली डॉक्टर की संस्था को जिंदा करना ही होगा।

लेखक स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

विचार मंथन

90 सेकंड पहले परीक्षा खत्म करने पर 12 लाख 77 हजार 938 का हर्जाना?

(लेखक - सनत जैन)

दक्षिण कोरिया के विद्यार्थी समूह ने 8 घंटे चलने वाली कॉलेज की प्रवेश परीक्षा को निर्धारित समय से 90 सेकंड पहले समाप्त कर दिए जाने पर,शासन से 12 लाख 77 हजार 938 रूपये का हर्जाना मांगा है। छात्रों ने सरकार के ऊपर मुकदमा दायर किया है। प्रत्येक विद्यार्थी ने 1 साल की ट्यूशन की लागत के बराबर राशि का हर्जाना देने की मांग की है। परीक्षार्थियों का कहना है कि दोबारा परीक्षा के लिए 1 साल की ट्यूशन फिर से लेनी पड़ेगी। 1 साल का समय उनका बर्बाद होगा। साउथ कोरिया के छात्र अपने अधिकारों के प्रति इतने सजग हैं,कि उन्होंने 90 सेकंड पहले परीक्षा को समाप्त कर दिए जाने पर सरकार से हर्जाने की मांग कर ली है। भारत में हर काम के लिए कानून बना है। सरकार ने सैकड़ों कानून के हजारों नियम बने हुए हैं। कानून और नियमों की आड़ मे भारतीय नागरिकों को किस तरीके से प्रताड़ित किया जाता है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। सरकारी कार्यालय में हर काम के लिए भारी रिश्वत देनी पड़ती है। बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। यदि रिश्वत नहीं दी जाती है, तो कानून के मकडजाल में ऐसा फंसाया जाता है,कि उसका काम तो होता नहीं है। उल्टे अदालतों के चक्कर लगाते लगाते उसका पूरा जीवन गुजर जाता है। भारत में जो भी कानून बनाए जाते हैं। उसमें सरकार और प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों को कानून की परिधि से ऊपर रखा जाता है। यदि वह गलती जानबूझकर करते भी हैं, तो नातो उनसे हर्जाना मांगा जा सकता है। नाही उनके ऊपर मुकदमा चलाया जा सकता है। कानून में सुरक्षा कवच,सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों की रक्षा करता है। जिसके कारण वह खुलकर भ्रष्टाचार करते हैं। पिछले 10 वर्षों में सरकार ने इतने कानून बना दिए हैं। जिनके ऊपर यह कानून लागू किया जा रहे हैं। कायदे से कानून और नियम का पालन करने के लिए उन्हें उनका कानून की पढ़ाई करनी चाहिए। सरकार आए दिन नियम बदल देती है। उसके लिए लगातार अपने आप को अपग्रेड रखना सीखना होगा। गलती होने पर जुर्माना ब्याज और सजा तीनों का प्रावधान किया गया है। शासन और प्रशासन के ऊपर कोई नियम लागू नहीं होते हैं। कानून का पालन कैसे किया जाना है। इसका बकायदा प्रशिक्षणअब नागरिकों को लेना होगा। उसके बाद ही कोई काम कर सकते हैं । यदि वह सब सही कर भी ले, यदि संबंधित काम के लिए सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को नजराना पेश करने में कोई कोताही बरती है। तो उसे काम करने की अनुमति तो कभी मिलेगी नहीं। उल्टे नियम कायदे कानून के मकडजाल में फंसा कर उसका चलता हुआ काम बंद करा दिया जाएगा। उसे वर्षों तक अदालतों में प्रताड़ित किया जाएगा। साउथ कोरिया के छात्रों और नागरिकों में अपने अधिकार और कर्तव्यों को लेकर जिस तरीके की सजगता है। जब तक भारत के नागरिकों में यह सजगता नहीं आएगी। तब तक इसी तरीके से उनका शोषण होता रहेगा। भारत वैसे भी 33 लाख करोड़ देवी देवताओं का देश है। जहां हर देवी देवता अपने भक्तों की रक्षा करता है। शायद इसलिए लोग देवी देवताओं के भरोसे बैठे रहते हैं। उनके साथ जो भी होता है, वह यह मानकर चलते हैं, कि यह हमारा भाग्य था। जो हमारे साथ ऐसा हो रहा है। महाराष्ट्र जैसे राज्य में सहकारिता आंदोलन इसलिए सफल रहा। वहां के नागरिक हमेशा सहकारी समितियां की बैठक में बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे। अपने अधिकारों को लेकर बैठक में अपनी बात रखते थे। अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहते थे। आज भी महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा सहकारिता का प्रभाव है। यहां पर सहकारी संस्थाएं और सहकारी सदस्य अपने अधिकारों को लेकर जहां सजग होते हैं। वहीं

कर्तव्यों का पालन करने में भी सजग हैं। नागरिकों में जब तक नैतिकता नहीं होगी। तब तक किसी भी कानून का पालन कराया जाना संभव नहीं हो सकता है। नैतिकता में कर्तव्य और अधिकार दोनों ही शामिल होते हैं। दक्षिण कोरिया के छात्रों से सीख लेने की जरूरत है।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▸ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▸ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▸ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▸ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▸ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▸ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपक?ी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▸ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▸ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▸ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं। जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

आरबीआई ने कार्ड टोकनीकरण की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और अन्य संस्थानों के स्तर पर कार्ड-ऑन-फाइल (सीओएफ) टोकन सुविधा शुरू की। इसकी सहायता से ग्राहक अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का टोकन बनाकर उसे विभिन्न ई-कॉमर्स ऐप के अपने खातों से जोड़ सकेंगे। इससे पहले सीओएफ टोकन केवल विक्रेता के ऐप या वेबपेज के जरिये ही बनाया जा सकता था। सीओएफ टोकन की मदद से ऑनलाइन भुगतान करते समय कार्ड का वास्तविक विवरण दिए बिना भुगतान किया जा सकता है। कार्ड टोकनीकरण की व्यवस्था लागू होने से डेटा चोरी और वित्तीय धोखाधड़ी से ग्राहकों का बचाव हो सकेगा। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा` कि सीओएफ टोकन सीधे कार्ड जारी करने वाले बैंकों या संस्थानों के जरिये बनाया जा सकता है। इससे कार्डधारकों को एक बार में ही कई विक्रेताओं के लिए अपने कार्ड को टोकन करने का अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। सीओएफ टोकन में कार्ड के वास्तविक विवरणों, मसलन 16 अंकों की संख्या, क्रेडिट या डेबिट कार्ड की वैधता तिथि और सीवीवी नंबर की जगह एक वर्चुअल कोड लेगा। कार्डधारकों के लिए कार्ड का टोकनीकरण करवाना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह ऑनलाइन लेनदेन का एक सुरक्षित तरीका है, क्योंकि इसमें कार्ड का वास्तविक विवरण साझा करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

सोना फिर चमका, चांदी की कीमत भी बढ़ी

नई दिल्ली । क्रिसमस के त्योहार से पहले एक बार फिर से सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखी जा रही है। एक वेबसाइट के अनुसार गुरुवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोने की कीमत 380 रुपये बढ़ गई। इसके बाद दस ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये हो गई। साथ ही, 22 कैरेट सोने की कीमत भी 350 रुपये बढ़ी है। इसके बाद दस ग्राम सोने की कीमत 57,750 रुपये हो गई है। मुंबई में दस ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत कोलकाता और हैदराबाद की कीमतों के बराबर 63,000 रुपये है. जबकि, दिल्ली में दस ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 63,150 रुपये, बेंगलुरु में 63,000 रुपये और चेन्नई में 63,650 रुपये हो गई है। मुंबई में दस ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत कोलकाता और हैदराबाद के बराबर 57,750 रुपये है। दिल्ली में दस ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 57,900 रुपये, बेंगलुरु में 57,750 रुपये और चेन्नई में 58,350 रुपये पर बिक रहा है। चांदी की कीमत भी प्रति किलो एक हजार रुपये बढ़कर बढ़ गई है। दिल्ली और मुंबई में एक किलोग्राम चांदी फिलहाल 78.500 रुपये और चेन्नई में एक किलोग्राम चांदी 80,200 रुपये पर है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू बाजार में मजबूती के रुख के कारण कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से चांदी वायदा कीमतों में तेजी आई है।

पहली छमाही में सीपीएसई का कैपिटल एक्सपेंडीचर 3.79 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली । केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) का पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 3.79 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह बजट लक्ष्य का 52 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में सीपीएसई का पूंजीगत व्यय बजट लक्ष्य का 43 प्रतिशत यानी 2.85 लाख करोड़ रुपये रहा था। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा` कि सितंबर, 2023 तक सीपीएसई का पूंजीगत व्यय बजट लक्ष्य का 51.71 प्रतिशत रहा है। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीपीएसई का पूंजीगत व्यय का लक्ष्य 7.33 लाख करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2022-23 में पूरे साल के लिए सीपीएसई का पूंजीगत व्यय अनुमानतः 6.62 लाख करोड़ रुपये रहा है। यह पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में सीपीएसई द्वारा किए गए पूंजीगत व्यय से अधिक है। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह आंकड़ा 2.85 लाख करोड़ रुपये या 2022-23 वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 43 प्रतिशत था।

बाजार में आ रही है सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक एसयूवी, नेक्जॉन ईवी को देगी टक्कर

नई दिल्ली । कुछ समय बाद बाजार में एक ऐसी इले क्ट्रिक एसयूवी लांच होने जा रही है जो सबसे सस्ती तो होगी ही, साथ ही नेक्जॉन ईवी को भी टक्कर देगी। यह खबर उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण हो जो एक बेहतरीन एसयूवी खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसकी रनिंग कॉस्ट कम आए। यह कार जल्द ही इंडियन मार्केट में दस्तक देगी जो एक इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी। इस कार को कोरियन कंपनी किआ लॉन्च करने जा रही है। बताया जा रहा है कि इस कार को कंपनी 2025 में भारतीय बाजार में उतार देगी। गौरतलब है कि इससे पहले मारुति ने भी 2025 में इलेक्ट्रिक कारों के बाजार में उतरने की घोषणा कर दी है। इस मामले में किया इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी मायुंग कि सोन ने कहा कि हम एक बजट इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। ये कार किफायती रेट में उतारी जाएगी जिससे बड़ी संख्या में ये लोगों तक अपनी पहुंच बना सके। लेकिन कम कीमत का मतलब इसकी सुरक्षा, डिजाइन या फीचर्स से खिलवाड़ किसी भी तौर पर नहीं होगा और ये किसी प्रीमियम कार से कम नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हम इस कार की हर साल करीब 10 हजार यूनिट्स सेल करने की उम्मीद लगा रहे हैं। किआ की इलेक्ट्रिक एसयूवी की सीधी टक्कर नेक्सॉन ईवी से होगी। हालांकि कंपनी की ओर से अभी तक कार की रेंज का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन माना जा रहा है कि इसका लॉन्ग रेंज मॉडल करीब 475 किलोमीटर तक की रेंज देगा। वहीं इसकी कीमत को काफी कॉम्पीटीटिव रखा जाएगा। जिसके चलते ये बाजार में नेक्सॉन ईवी से कम कीमत पर भी उपलब्ध हो सकती है। हालों कि इससे पहले किआ ईवी 6 प्रीमियम प्राइस कैटेगरी की कारों में टॉप सेलिंग कार रही थी। 2022 में कंपनी ने प्रीमियम इलेक्ट्रिक कार की कैटेगरी में 37 फीसदी हिस्सेदारी पर कब्जा जमाया था।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.22 डॉलर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों के नकारात्मक रुख और विदेशी कोषों की निरंतर निकासी के बीच गुरुवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट के साथ 83.22 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि लाल सागर मार्ग के जरिए वैश्विक व्यापार में व्यवधान पर बढ़ती चिंताओं के बीच अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला और उसकी गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.19 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में गिरकर 83.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर में 83.22 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.18 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.98 पर रहा।

डीएलएफ ने गुरुग्राम, पंचकूला में बेचीं 1,400 करोड़ की संपत्तियां

नई दिल्ली । रियल एस्टेट फर्म डीएलएफ लिमिटेड ने संपत्ति की मजबूत मांग के बीच हरियाणा के गुरुग्राम और पंचकुला में लगभग 1,400 करोड़ रुपये में आवासीय इकाई और वाणिज्यिक भूखंड बेचे हैं। बाजार मूल्यांकन के हिसाब से देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ ने गुरुग्राम के सेक्टर 67 और पंचकूला में दो परियोजनाएं शुरू की हैं। डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने यहां संवाददाताओं को बताया कि हमने गुरुग्राम की अपनी नई परियोजना सेंट्रल 67 में 75 दुकान-सह-कार्यालय (एससीओ) भूखंड बेचे हैं। उन्होंने कहा कि ये 75 इकाइयां 700 करोड़ रुपये में बिकी हैं। इस परियोजना में कुल भूखंड नौ एकड़ का है। उन्होंने कहा कि डीएलएफ ने एक अन्य परियोजना वैली ऑर्चर्ड पंचकूला में शुरू की है जहां वह 470 स्वतंत्र फ्लोर विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से हमने 400 इकाइयां पेश कर दी हैं। ये सभी 700 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। कंपनी ने ये फ्लोर 9,000 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से बेचा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 359 , निफ्टी 108 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। इस प्रकार बाजार गत दिवस हुई गिरावट से उबरता दिख रहा है। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 358.79 अंक करीब 0.51 फीसदी ऊपर आकर 70,865.1 0 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 108.25 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी ऊपर आकर 21,258.4 पर बंद हुआ। निफ्टी की 38 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 12 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। आज के कारोबार के दौरान पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। इसके अलावा आरआईएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी बढ़े हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड के शेयर में सबसे ज्यादा 2.27 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा एचडीएफ़सी बैंक, कोटक बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईटीसी, विप्रो, टीसीएस के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 1,322.08 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं गत दिवस बाजार में भारी गिरावट रही थी। दूसरी ओर दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो यूरोपीय बाजार गिरावट में कारोबार कर रहे थे और अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नीचे आया जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 350.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 354.1 लाख करोड़ रुपये हो गया, जिससे निवेशकों में एक ही कारोबारी सत्र में 3.9 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजार से मिले कमजोर संकेतों के चलते सेंसेक्स 300 अंकों की गिरावट के साथ 70,200 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 100 अंक फिसलकर 21000 के स्तर पर आ गया है। शुरुआत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। एक्सिस बैंक, सन फार्मा और जेएसडब्ल्यू स्टील शीर्ष घाटे में रहे, जबकि रिलायंस ने तेजी से वापसी की और बेंचमार्क सूचकांकों में नुकसान को कम करने में मदद की। घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को भारी उतार-चढ़ाव रहा।

तकनीकी उत्पाद पर शुल्क मामले में भारत के साथ विवाद में नरम पड़ा ईयू

नई दिल्ली ।

तकनीकी उत्पादों पर शुल्क के मसले पर भारत के साथ विवाद में यूरोपीय संघ (ईयू) का रुख नरम पड़ा है। ईयू ने कहा कि वह तकनीकी उत्पादों पर भारत के साथ जारी विवादों का संतोषजनक समाधान पसंद करेगा मगर उसके पास इन उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का भी अधिकार है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने इस मामले में ईयू के पक्ष में आदेश दिया है, जिसके खिलाफ भारत ने अपील की है। यूरोपीय संघ का नियम है कि डब्ल्यूटीओ में अपील इकाई नहीं होने पर भी कोई देश अपील करता है तो संघ उसके खिलाफ सीमा शुल्क या अन्य शुल्कलगा सकता है। संघ के एक अधिकारी ने बताया कि इस समय डब्ल्यूटीओ में अपील सुनने वाली कोई संस्था नहीं है, इसलिए भारत की अपील का कोई मतलब ही नहीं है और मामला लटक गया है। ऐसे में ईयू अपने अधिकारों की रक्षा के नियम का इस्तेमाल कर जवाबी शुल्क लगा सकता है। मगर हम भारत के साथ विवाद का संतोषजनक समाधान करना चाहते हैं। यूरोपीय संघ की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब डब्ल्यूटीओ के दूसरे सबसे बड़े विवाद निपटान पंचाट ने 17 अप्रैल को आदेश दिया था कि भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी और मोबाइल सहित दूरसंचार उपकरणों पर शुल्क लगाकर वैश्विक समझौते का उल्लंघन किया है। भारत ने आदेश के खिलाफ अपील कर दी। यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने कहा कि डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान इकाई की बैठक 18 दिसंबर को बैठक होनी थी, जिसमें इस मामले पर समिति की रिपोर्ट स्वीकार की जा सकती थी। रिपोर्ट स्वीकार कर ली जाती तो भारत को इसकी सिफारिश माननी पड़ती यानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी से जुड़े सभी उत्पादों से शुल्क हटाना पड़ता। मगर भारत ने इस बैठक से पहले ही अपील दायर कर दी। वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि डब्ल्यूटीओ द्वारा तय समय के भीतर ऐसा समाधान नहीं हो पाया, जो दोनों पक्षों को मंजूर होता।

देश का कोयला उत्पादन एक अरब टन पार होने की उम्मीदः मंत्री जोशी

नई दिल्ली। कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी ने का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में देश का कोयला उत्पादन एक अरब टन के आंकड़े से अ धिक हो जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए देश का जीवाश्म ईंधन का उत्पादन लक्ष्य 101.21 करोड़ टन है। वाणिज्यिक कोयला खदान की नीलामी के नौवें दौर के शुभारंभ के दौरान मंत्री ने कहा कि इस साल हम एक अरब टन उत्पादन स्तर को पार करने जा रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में कोयले की अनुमानित मांग 119.66 करोड़ टन है। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2030 तक बिजली की मांग दोगुनी होने वाली है और इस जरूरत को पूरा करने के लिए देश को कोयले की जरूरत है। नौवें दौर की नीलामी पूरी होने के साथ ही 100 कोयला ब्लॉकों की बिक्री पूरी हो जायेगी। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के नौवें दौर में कुल 31 कोयला खदानों की पेशकश की जा रही है। ये खदानें कोयला, लिग्नाइट वाले राज्यों झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में हैं।

धार्मिक, पर्यटन स्थलों तक पहुंच के लिए राजमार्ग पर 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा केंद्र

नई दिल्ली,

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने महत्वपूर्ण पर्यटक और धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 1,49,758 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की है. इसके लिए लगभग 8,544 किलोमीटर की 321 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शुरू की गई हैं. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा को ये जानकारी दी. मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है. नेशनल हाईवे का विकास सरकार के दृष्टिकोण के साथ पीएम गति शक्ति सिद्धांत पर नेटवर्क योजना के बाद किया जा रहा है. महत्वपूर्ण आर्थिक, पर्यटक और धार्मिक स्थलों के लिए कनेक्टीविटी में सुधार के लिए सड़क किनारे सुविधा (डब्ल्यूएसए), पर्याप्त साइनेज, सौंदर्यीकरण पर खर्च शामिल है. मंत्री ने एक लिखित उत्तर में कहा, इस तरह पर्यटन/धार्मिक स्थलों के विकास के लिए किसी डेडिकेटेड फंड की कोई जरूरत नहीं है. मंत्री द्वारा 21 राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर किए गए आवंटन प्रस्तुत किए गए, जिनमें उत्तराखंड (13,181 करोड़ रुपए), केरल (12,427 करोड़ रुपए), तमिलनाडु (10,601 करोड़ रुपए), बिहार (10,028 करोड़ रुपए), उत्तर प्रदेश (7,721 करोड़ रुपए), राजस्थान (6,274 करोड़ रुपए), गुजरात (6,902 करोड़ रुपए) और पश्चिम बंगाल (5,361 करोड़ रुपये) शामिल हैं.

फर्जी परीक्षण मामलाः दाइहात्सू का परिवहन मंत्रालय ने किया निरीक्षण

तोक्यो ।

जापान के परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने गुरुवार को टोयोटा की अनुषंगी कंपनी दाइहात्सू के कार्यालयों में जांच-पड़ताल की। इससे एक दिन पहले ही कंपनी के अधिकारियों ने घोषणा थी की कि वह छोटी कार इकाई के 64 मॉडल के अनुचित परीक्षण पाए जाने के बाद जापान के भीतर तथा बाहर सभी वाहनों के निर्यात को निलंबित कर रहा है। इस साल की शुरुआत में सुरक्षा परीक्षण अनियमितताओं का मामला सामने आने के बाद एक स्वतंत्र समिति ने जांच शुरू की थी। इसमें ओसाका स्थित दाइहात्सू मोटर कंपनी में व्यापक स्तर पर कई समस्याएं सामने आई थीं। परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने भी गुरुवार को दाइहात्सू के कार्यालयों में जांच-पड़ताल शुरू की। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि यह बेहद निराशाजनक है।

इसने कार मालिकों के भरोसे को ठेस पहुंचाई और मोटर वाहन प्रमाणन प्रणाली की नींव हिला दी है। हालांकि, अभी तक इन परीक्षणों में हेराफेरी के कारण दुर्घटनाओं या मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। टोयोटा मोटर कॉर्प ने समिति की जांच के नतीजों का हवाला देते हुए बुधवार को कहा था कि दाइहात्सू जांच में 25 परीक्षण श्रेणियों में सुरक्षा परीक्षणों तथा अन्य प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के 174 नए मामले सामने आए। दाइहात्सू के अध्यक्ष सोइचिरो ओकुदैरा ने कहा था कि हमें अपने ग्राहकों के विश्वास तोड़ने का खेद है। दाइहात्सु की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, समस्याएं 64 मॉडल और तीन वाहन इंजन में पाई गईं जिनमें टोयोटा द्वारा बेचे गए 22 मॉडल और एक इंजन शामिल है।

जांच में माज़्दा मोटर कॉर्प और सुबारू कॉप. के कुछ मॉडल में भी समस्याएं पाई गईं। इन्हें जापान में बेचा गया, जबकि टोयोटा तथा दाइहात्सु के मॉडल विदेशों में बेचे गए।

दाइहात्सु, टोयोटा की छोटी कार तथा ट्रक में विशेषज्ञता रखने वाली एक इकाई है जो जापान में काफी लोकप्रिय हैं।

पटना में पेट्रोल और डीजल महंगा, नोएडा में सस्ता

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगभग सपाट स्तर पर बनी हुई हैं। गुरुवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.62 डॉलर घटकर 73.60 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.47 डॉलर बढ़कर 79.70 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। पश्चिम बंगाल में गुरुवर को पेट्रोल 42 पैसे और डीजल 39 पैसे महंगा होकर बिक रहा है।

हिमाचल में पेट्रोल की कीमत में 28 और डीजल में 26 पैसे का उछाल है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र और गोवा में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं। पंजाब में पेट्रोल 27 पैसे और डीजल 25 पैसे सस्ता हो गया है। गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में हल्की गिरावट दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.95 रुपये और डीजल 94.70 रुपये प्रति लीटर और पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली देश की पहली कार होगी टाटा हैरियर

नई दिल्ली ।

टाटा हैरियर बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली देश की पहली कार होगी। बताया जा रहा है कि टाटा है रियर के फेसलिफ्ट मॉडल का क्रैश टेस्ट बीएनसीएपी में दिसंबर के दौरान ही किया जाएगा। गौरतलब है` कि इससे पहले हैरियर को जीएनसीएपी के क्रैश टेस्ट में 5 स्टार रेटिंग मिल चुकी है। हालों कि हैरियर के फेसलिफ्ट मॉडल को इसी साल सितंबर में इंडियन मार्केट में लॉन्च किया गया था। सवारी की सुरक्षा के लिए इसमें 7 एयरबैग (6 एयरबैग स्टैंडर्ड), हिल असिस्ट के साथ इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, 360 डिग्री कैमरा, और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसे फीचर खासतौर से दिए गए हैं। इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) भी दिया गया है जिसके तहत अब इसमें अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल फीचर भी उपलब्ध है। इसके इंजन की बात करें तो हैरियर फेसलिफ्ट में 2-लीटर डीजल इंजन दिया गया है जो 170 पीएस की पावर और 350 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन के साथ इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 6-सपीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स का विकल्प रखा गया है। इसके मैनुअल वेरिएंट में 16.80 किलोमीटर प्रति लीटर और ऑटोमेटिक में 14.60 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज मिलता है। अपनी खुद की कार क्रैश टेस्टिंग एजेंसी रखने वाला भारत अब दुनिया का पांचवा देश हो गया है। इससे पहले अमेरिका, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान में क्रैश टेस्ट किए जाते थे। वहीं भारत की गाड़ियों को जीएनसीएपी की ओर से ही टेस्ट किया जाता था। बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट के दौरान कार का क्रैश टेस्ट किया जाएगा। इस दौरान इसमें फ्रंट इम्पैक्ट, साइड पोल इम्पैक्ट, साइड बैरियर इम्पैक्ट और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल को जांचा-परखा जाएगा।

मेजर लीग के छह मैचों में नजर नहीं आयेंगे मेसी

न्यूयॉर्क । अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अमेरिका की मेजर लीग फुटबॉल में अपने क्लब इंटर मियामी की ओर से छह मैचों में नहीं खेल पाएंगे। मेसी इस दौरान अंतराष्ट्रीय मैचों को देखते हुए अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ व्यस्त होंगे। मियामी मेजर लीग फुटबॉल की शुरुआत 21 फरवरी को रियल साल्ट लेक के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर करेगा। मेजर लीग फुटबॉल ने अगले सत्र के लिए अपना कार्यक्रम घोषित कर दिया। इसके अनुसार हर टीम इसमें 34 मैच खेलेगी। विश्व की ज्यादातर फुटबॉल लीग फीफा के कार्यक्रम के दौरान अपने मैचों का आयोजन नहीं करती हैं पर मेजर लीग फुटबॉल ने अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान भी इस लीग को जारी रखने का फैसला किया है। इस कारण मेसी के अलावा कई अन्य दिग्गज खिलाड़ी भी इसमें नजर नहीं आते हुए अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ रहेंगे। मेसी मियामी के रियल बुल्स के खिलाफ 23 मार्च को होने वाले मुकाबले के दौरान अर्जेंटीना की टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। इसके अलावा वह पांच अन्य मैचों में भी नहीं रहेंगे।

हॉकी इंडिया ने कृष्ण, सुशीला, शिवेंद्र और विनीत शर्मा की सराहना की

नई दिल्ली,

हॉकी इंडिया ने कृष्ण बहादुर पाठक, सुशीला चानू पुखरामबम, शिवेंद्र सिंह और विनीत कुमार शर्मा को 2023 के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामित होने पर गुरुवार को बधाई दी। कृष्ण और सुशीला को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जबकि शिवेंद्र को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में उनके योगदान के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भारत के पूर्व पुरुष टीम के खिलाड़ी विनीत कुमार शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। गोलकीपर कृष्ण पिछले कुछ वर्षों से भारतीय टीम का अभिन्न अंग रहे हैं और उन्होंने चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विजयी अभियान में प्रमुख भूमिका निभाई है। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। 200 अंतर्राष्ट्रीय कैप के साथ टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक सुशीला ने टोक्यो ओलंपिक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां भारत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। उन्होंने जापान के खिलाफ विजयी गोल भी किया, जिसने इस साल की शुरुआत में हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत को कांस्य पदक दिलाया था।इस बीच, शिवेंद्र एक शानदार खिलाड़ी से भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोचिंग स्टाफ के एक प्रभावशाली सदस्य बन गए हैं। खेल में उनकी यात्रा उनके अटूट समर्पण, खेल की गहरी समझ और हॉकी के प्रति गहरे जुनून का प्रमाण है। एक खिलाड़ी के रूप में भारतीय हॉकी परिदृश्य का अभिन्न अंग रहे शिवेंद्र सिंह अपनी कोचिंग भूमिका में अमूल्य अनुभव और अंतर्दृष्टि लेकर आते हैं। भारत के पूर्व डिफेंडर विनीत को अपने सुनहरे दिनों में घातक पेनल्टी कॉर्नर हिटरों में से एक माना जाता था। 63 वर्षीय पूर्व स्टार फुलबैक नई दिल्ली 1982 और 1986 सोल एशियाई खेलों की टीमों का हिस्सा थे। इसके अलावा उन्होंने 1982 और 1986 में मुंबई और लंदन में आयोजित विश्व कप में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने लॉस एंजेलिस

में 1984 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भी भाग लिया, जहां भारतीय टीम पांचवें स्थान पर रही। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने इन पुरस्कार विजेताओं की उपलब्धियों पर बेहद गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह हॉकी के लिए एक अविश्वसनीय मील का पत्थर है, क्योंकि हम खेल में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए हमारे दो सम्मानित हॉकी खिलाड़ियों कृष्ण बहादुर पाठक और पुखरामबम सुशीला चानू को दी गई अच्छी मान्यता का जश्न मनाते हैं। तिर्की ने कहा, खेल में उनका योगदान अमूल्य रहा है और यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत और जुनून का प्रमाण है। इसके अलावा, मैं द्रोणाचार्य पुरस्कार जीतने के लिए शिवेंद्र सिंह और ध्यानचंद पुरस्कार जीतने के लिए विनीत कुमार शर्मा को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। सभी ने हॉकी की सच्ची भावना को दर्शाते हुए समर्पण का प्रदर्शन किया है। हॉकी इंडिया को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है।

बृजभूषण के करीबी संजय सिंह बने भारतीय कुश्ती संघ के नए प्रमुख

नई दिल्ली ।

संजय सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नये अध्यक्ष बने हैं। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह ने अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में अनीता श्योराण को हराया।

बृज भूषण शरण सिंह के करीबी संजय डब्ल्यूएफआई की पिछली कार्यकारी परिषद में भी शामिल थे। वह 2019 से राष्ट्रीय महासंघ के संयुक्त सचिव भी रहे थे। दूसरी ओर स्वर्ण विजेता रही महिला पहलवान श्योराण पहलवानों के प्रतिनिधि के रुप में उतरी थीं। उन्होंने बृजभूषण पर महिला पहलवानों के शोषण और यौन उत्पीड़न का भी आरोप सबसे पहले लगाया था। इसी मामले को लेकर ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट सहित कई पहलवानों ने बृजभूषण को हटाये जाने ओर गिरफ्तार करने की मांग करते हुए धरना भी दिया था। अब बृजभूषण के करीबी के अध्यक्ष बनने से पहलवानों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका जतायी जा रही है। वहीं बृजभूषण ने पहले ही संजय के डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष का चुनाव जीतने की उम्मीद जतायी थी।

उन्होंने कहा, 'आज 11 महीने बाद चुनाव हो रहे हैं। जहां तक संजय का सवाल है तो उन्हें पुराने महासंघ का प्रतिनिधि माना जा सकता है। इसलिए उनका चुनाव जीतना तय है। साथ ही कहा कि अब मैं उनसे जल्द से जल्द खेल के अनुकूल माहौल बनाने और इस दौरान खिलाड़ियों को हुए नुकसान की भरपाई करने की अपील करता हूं। बृजभूषण ने कहा कि इस चुनाव में उनके परिवार का कोई सदस्य शामिल नहीं था।

कुशाग्र से प्रभावित थे गांगुली

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के लिए हुई नीलामी में झारखंड के युवा क्रिकेटर कुमार कुशाग्र को दिल्ली कैपिटल्स ने 7 करोड़ 20 लाख खरीदा है। अब इस क्रिकेटर के पिता ने खुलासा किया है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली कुशाग्र के लिए 10 करोड़ तक की बोली लगाने के लिए तैयार थे। कुशाग्र के पिता ने कहा कि गांगुली ने उनसे पहले ही कहा था कि वह किसी भी कीमत पर कुशाग्र को टीम में शामिल करेंगे। कुशाग्र के पिता ने कहा, ईडन गार्डन में ट्रायल के बाद, गांगुली ने कुशाग्र से कहा था कि वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलेंगे और फ्रेंचाइजी उनके लिए 10 करोड़ रुपये तक की बोली लगाएगी। ट्रायल के दौरान गांगुली उनके छक्के मारने के तरीके और मैदान पर खेलने की क्षमता के साथ ही विकेटकीपिंग से भी प्रभावित थे। उन्हें इस खिलाड़ी में धोनी की झलक भी नजर आयी थी। विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र 20 लाख के बेस प्राइस के साथ नीलामी में शामिल हुए थे पर उनको दिल्ली ने 7 करोड़ 20 लाख में अपने साथ जोड़ा है। इस युवा ने झारखंड की तरफ से खेलते 18 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में 250 रन बनाये थे और इसी कारण गांगुली अन्हें कैपिल्स में शामिल करना चाहते थे।

दक्षिण अफ्रीका विश्व कप से पहले पुरुषों की अंडर19 त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा

जोहान्सबर्ग,

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका देश में अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले पुरुषों की अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा. यह श्रृंखला अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 से पहले तीनों पक्षों के लिए अंतिम तैयारी के रूप में काम करेगी. त्रिकोणीय श्रृंखला के सभी सात मैच 29 दिसंबर से 10 जनवरी तक जोहान्सबर्ग के ओल्ड एडवर्डियंस क्रिकेट क्लब में खेले जाएंगे. सीएसए त्रिकोणीय श्रृंखला को आगे बढ़ाने में सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए भारत और अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्डों के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता है. ये मैच विश्व कप के लिए हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण घटक हैं. सीएसए के उच्च प्रदर्शन प्रमुख ग्रांट वैन वेल्डेन ने कहा, वे हमारे युवा क्रिकेटरों को भारत और अफगानिस्तान में प्रतिस्पर्धी विरोधियों के खिलाफ अपने कौशल का परीक्षण करने के लिए सही मंच प्रदान करते हैं. यह श्रृंखला हमारे खिलाड़ियों के लिए घरेलू धरती पर विश्व कप से पहले अपने खेल को बेहतर बनाने के अंतिम अवसर के रूप में भी काम करेगी. भारत त्रिकोणीय श्रृंखला में अपने अभियान की शुरुआत 29 दिसंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा, इसके बाद 2 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगा. 4 जनवरी को वे फिर अफगानिस्तान से भिड़ेंगे और 6 जनवरी को दूसरी बार दक्षिण

अफ्रीका से भिड़ेंगे. फाइनल 10 जनवरी को आयोजित किया जाएगा. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सीईओ नसीब खान ने कहा, यह श्रृंखला हमारे फ्यूचर स्टार्स और अन्य दो भाग लेने वाली टीमों के लिए आईसीसी अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 के लिए प्रभावी ढंग से तैयारी करने का एक अच्छा अवसर प्रस्तुत करती है. अंडर19 विश्व कप के लिए, डेविड टीगर की कप्तानी वाली मेजबान दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप बी में रखा गया है.

वे अपना विश्व कप अभियान 19 जनवरी को पोचेफस्ट्रूम में जेबी मार्क्स ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू करेंगे. दूसरी ओर, उदय सहारन की कप्तानी में गत चैंपियन भारत, बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका के साथ विश्व कप के ग्रुप ए में है.

वे अपना पहला मैच 20 जनवरी को ब्लोमफोंटेन में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे, इसके बाद वे क्रमशः 25 और 28 जनवरी को आयरलैंड और यूएसए से खेलेंगे.

संक्षिप्त समाचार

रोहित को हटाने का फैसला भावुक और मुश्किल था : जयवर्धने

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने रोहित शर्मा को टीम की कप्तानी से हटाने के कारणों का खुलासा किया है। जयवर्धने ने कहा कि रोहित को कप्तानी से हटाने का फैसला कठिन था पर ये भविष्य की योजनाओं के कारण लिया गया। मुम्बई ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को नया कप्तान बनाया है। जयवर्धने ने कहा कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ भी ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि सचिन ने भी युवा खिलाड़ियों के साथ आईपीएल खेला था। रोहित की कप्तानी में ही मुंबई ने पांच बार आईपीएल जीता था ऐसे में उनको अचानक हटाने से प्रशंसक भड़क गये थे। जयवर्धने ने कहा कि फ्रेंचाइजी के लिए रोहित को हटाने का फैसला भावुक और मुश्किल था। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह भावनात्मक है, कठिन है, लेकिन जो भी लोग मुंबई का हिस्सा रहे हैं, वे जानते हैं कि हम किसी खिलाड़ी के योगदान के हर पल को संजोते हैं और आगे भी योगदान देंगे। एक अच्छी टीम के रूप में, हमारे पास इसे करने का कौशल है। आगे बढ़ने का केन्द्र इसी पर है। संभवतः हर कोई अपनी नजर में यह सोचेगा कि यह बहुत जल्दबाजी में लिया गया फैसला है, लेकिन यह एक ऐसा निर्णय है जो हमें किसी स्तर पर पहुंचकर पर लेना ही था।

बटलर टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवे खिलाड़ी बने

तरौबा । इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 क्रिकेट मुकाबले में 29 गेंदों में ही 55 रनों की पारी खेलकर एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बटलर अब इस प्रारूप में 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बटलर ने पारी पारी के दौरान 6 चौके और 3 छक्के लगाये। इस प्रकार उन्होंने 189.65 की स्ट्राइक रेट से बनाये। अब तक113 टी20 अंतराष्ट्रीयमें बटलर के नाम 35.13 की औसत और 144.85 की स्ट्राइक रेट से 2,916 रन हो गये हैं। उन्होंने 104 पारियों में एक शतक और 22 अर्धशतक लगोय हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 101 रन रहा है। बटलर इंग्लैंड की ओर से टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के , डेविड वॉर्नर के नाम पर 99 मैचों में 32.88 के औसत और 32.88 के स्ट्राइक रेट से 2,894 रन हैं। जिसमें 1 शतक और 24 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 100 रन है। टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैं। कोहली ने अब तक 115 मैचों में 52.73 की औसत से 4,008 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 37 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122* और स्ट्राइक रेट 137.96 है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज की कप्तानी करेंगे ब्रैथवेट

सात गैर अनुभवी खिलाड़ियों को भी मिला अवसर

सेंट जॉन्स ।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले साल की शुरुआत में जनवरी में होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में सात अनकैप्ड (गैर अनुभवी) खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। इस टीम की कप्तानी क्रैग ब्रैथवेट को मिली है। वहीं अल्जारी जोसेफ को उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में सात नये खिलाड़ियों में बल्लेबाज जाचरी मैकास्की, विकेटकीपर टेविन इमलाच, ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स, केवम हॉज, केविन सिंक्लेयर, तेज गेंदबाज अकीम जॉर्डन और शमर जोसेफ शामिल किये गये हैं। वेस्टइंडीज टीम इस माह के अंत में 30 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगी और 2 से 9 जनवरी तक एडिलेड में होने वाले अभ्यास शिविर में भाग लेगी। इसके बाद वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन के खिलाफ चार दिवसीय प्रथम श्रेणी अभ्यास मैच खेलेगी। ये मैच 10 से 13 जनवरी तक एडिलेड में खेला जाएगा।

दोनों टीमें फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए मुकाबला करेंगी। इसका पहला टेस्ट मैच 17 से 21 जनवरी तक एडिलेड ओवल में जबकि दूसरा मैच 25 से 29 जनवरी तक ब्रिस्बेन के गाबा में होगा।

वहीं टीम चयन के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम प्रभावित हुई है। हालांकि हमने पिछले साल से एक लाल गेंद कार्यक्रम चलाया है जिसने पूरे क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, चयनित खिलाड़ियों ने उन्हें दिए गए प्रत्येक टेस्ट को पास कर लिया है और अब उन्हें टेस्ट क्षेत्र में अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर दिया जाना चाहिए। वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम इस प्रकार है – क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), टेगेनरीन चंद्रपॉल, किर्क मैकेंजी। एलिक अथानाज़े, केवम हॉज, जस्टिन ग्रीव्स, जोशुआ डासिल्वा, अकीम जॉर्डन, गुडाकेश मोती, केमर रोच, केविन सिंक्लेयर, टेविन इमलाच, शमर जोसेफ, ज़ाचरी मैकास्की।

मिचेल को कड़ी मेहनत के कारण ही इतना बड़ा करार मिलाः एलिसा

मुंबई ।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि उनके पति मिचेल स्टार्क ने काफी मेहनत की थी और इसी कारण आईपीएल में उन्हें सबसे बड़ा अनुबंध मिला है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने दुबई में हुई नीलामी में तेज गेंदबाज स्टार्क को रिकार्ड 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। एलिसा ने कहा, ''मिचेल के लिए यह शानदार अवसर है। यह उसकी कड़ी मेहनत का ही परिणाम है और इसके साथ ही उसके चुने हुए विकल्पों का भी जिसमें उसने पिछले आठ में अपने देश को सबसे पहली प्राथमिकता दी।'' स्टार्क को सबसे अधिक रकम मिलने के बाद हीली का एक वीडियो सामने आया था। इसमें वह पेय पदार्थ पीते और चेहरे के भावों के साथ हैरानी व्यक्त करते हुए नजर आयी थीं जिसे ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की कप्तान ने गलत बताया। उन्होंने कहा, ''मैं उस समय जिम में थी और किसी पेय पदार्थ के बारे में नहीं सोच रही थी बल्कि कड़ी मेहनत कर रही थी और यह सब होते हुए देख रही थी। यह उनके और कमिंस के लिए एक अहम दिन था।''

दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग में कमेंट्री करते नजर आयेंगे शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री अब दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग (एसए20) में कमेंट्री करते नजर आयेंगे। शास्त्री को अगले साल की शुरुआत में 10 जनवरी से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग (एसए20) के लिए कमेंट्री पैनल में रखा गया है। वहीं शास्त्री के अलावा इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड, केविन पीटरसन और मार्क बूचर, दक्षिण अफ्रीका के एबी डी विलियर्स, शॉन पोलाक और क्रिस मॉरिस को भी कमेंट्री पैनल में जगह दी गयी है। एसए20 लीग के आयुक्त ग्रीम स्मिथ ने कहा, ''हम एसए20 के दूसरे सत्र के लिए मौजूद कमेंटेटरों और प्रस्तोताओं की क्षमता से उत्साहित हैं। लीग बेहतरीन कमेंटेटररों के महत्व को समझती है। इससे खेल में रोमांच बढ़ता है। एसए20 लीग का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी के बीच किया जाएगा। भारत में इसका प्रसारण जिओ सिनेमा और स्पोर्ट्स18 पर होगा।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना ताज बचाना है स्वीटी का लक्ष्य

ग्रेटर नोएडा।

7वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 21 दिसंबर से जीबीयू इंडोर स्टेडियम में शुरू होगी। सभी की निगाहें 81 किग्रा वर्ग में 2023 विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता स्वीटी बूरा पर होंगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 21 से 27 दिसंबर तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में शीर्ष सम्मान के लिए 12 वजन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करने वाली 35 इकाइयों के 300 से अधिक मुक्केबाज शामिल होंगी । हरियाणा की रहने वाली बूरा जिन्होंने लाइट हैवीवेट वर्ग में 2014 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण (2022), रजत (2015) और कांस्य (2021) भी जीता है। उनका लक्ष्य इस श्रेणी में अपना ताज बचाना है। एलीट महिला नेशनल के 7वें संस्करण में 75 किग्रा वर्ग में 2020 टोक्यो ओलंपियन पूजा रानी और 60 किग्रा वर्ग में 2022 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हरियाणा की मनीषा मौन जैसी महिलाएं शामिल होंगी, जिन्हें राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। उसी श्रेणी में सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी)। इसके अतिरिक्त, दो युवा विश्व चैंपियन, अरुंधति (एसएससीबी) और अंकुशिता बोरो (असम), 66 किग्रा वर्ग में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। पिछले संस्करण में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने 10 पदक हासिल किए थे और इस टूर्नामेंट में

अपनी सफलता को दोहराने के लिए उत्सुक है।

शमी-मोहित के साथ खेलना मजेदार, जीटी में शामिल होने से खुश उमेश

नई दिल्ली, भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव, जिन्हें दुबई में आईपीएल 2024 की नीलामी में गुजरात टाइटंस ने 5.8 करोड़ रुपये में खरीदा था. उन्होंने अपने पुराने दोस्तों (शमी और मोहित) के साथ खेलने की संभावना को लेकर उत्साह व्यक्त किया. उमेश यादव ने ब्रॉडकास्टर्स जियो सिनेमा से कहा, 'काफी समय हो गया है जब शमी, मोहित शर्मा और मैं 2015 विश्व कप टीम का हिस्सा थे. वे यादें वापस आ रही हैं. जिस तरह से शमी अब गेंदबाजी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि हमें बहुत मजा आएगा.' दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा शुरू में उनके लिए बोली शुरू करने के बाद आईपीएल 2022 चैंपियन जीटी द्वारा चुने जाने के बारे में बात करते हुए यादव ने कहा, 'नीलामी में मेरे हालिया अनुभव काफी खराब रहे हैं क्योंकि मैं पहले दो राउंड में अनसोल्ड रहा था. 2022 में केवल तीसरे राउंड में चुना गया. लेकिन अब मैं बहुत खुश हूं. मेरे लिए मुख्य बात चयनित होना था.' उमेश ने कहा, 'मैं जानता हूं कि सभी टीमें भारतीय तेज गेंदबाजों की तलाश में थी. इसलिए, मुझे पता था कि मैं कहीं न कहीं जाऊंगा लेकिन ऐसी टीम में जाना जहां आशीष नेहरा कोच हों, बहुत अच्छा है. मैंने पहले उनके साथ काम किया है और जानता हूं कि वह खिलाड़ियों को किस तरह से प्रशिक्षित करते हैं.' उमेश यादव पहले आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके हैं. उन्होंने कुल मिलाकर 136 विकेट लिए हैं. वह टूर्नामेंट में भारतीय गेंदबाजों के बीच शीर्ष दस विकेट लेने वालों में शामिल हो गए हैं. 2023 में केकेआर के लिए खेलते हुए, उमेश ने आठ मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया. उमेश ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'मुझे लोगों के सामने खुलने में कुछ समय लगता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सबसे अच्छी टीम होगी क्योंकि इसमें शमी और मोहित हैं. वे मेरे पुराने दोस्त हैं और हमें एक साथ खेलने का मौका मिलेगा.'

सूरत में आयोजित 'जीआई महोत्सव और ओडीओपी हस्तशिल्प-2023' प्रदर्शनी में बिदरी कला से प्रभावित हुए सूरतवासी

सूरत।

कर्नाटक दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित भारत का सातवां सबसे बड़ा राज्य है। कर्नाटक का इतिहास अनेक राजवंशों और साम्राज्यों के उत्थान और पतन से भरा पड़ा है। कर्नाटक के बीदर जिले की बिदरी कला पूरे देश में प्रसिद्ध है। सूरत के वनिता विश्राम में 25 तारीख तक चलने वाली च्जीआईज् उत्सव और ओडीओपी हस्तशिल्प-2023 प्रदर्शनी सह-बिक्री कर्नाटक के बीदर गांव के राजकुमार नागेश्वर परिवार के 600 साल पुराने पारखी लोगों के फारसी शिल्प के भारतीय नवाचार की बिदरी कला को जीवित रखे हुए है।

राजकुमार नागेश्वर ने बिदरी कला की सदियों पुरानी पौराणिक कहानी सुनाते हुए कहा कि बिदरी कला की शुरुआत 16वीं शताब्दी में हुई थी. यह कला 16वीं शताब्दी में राजा बहमनियों के शासनकाल में उभरी। पुरानी फ़ारसी शिल्प की प्रतिकृति, यह बिदरी कला हमारे पूर्वजों की एक अनमोल विरासत और उपहार है। चबिदरी कलाज् का नाम बीदर जिले के नाम पर रखा गया है, जो इस जिले की धातु कला है। बिदरी के काम में पहले सोने और चांदी की नक्काशी की जाती थी। मैं पिछले 40 वर्षों से इस कला से जुड़ा हुआ हूं। यह मेरे परिवार की चौथी पीढ़ी है जो बिदरी का काम कर रही है।

बिड बिड्रिवेयर एक प्रकार की धातु कला है जो तांबा, जस्ता, तांबा और अन्य अलौह धातुओं की मिश्रधातुओं से बनाई जाती है। सुंदर डिज़ाइन ढलाई पर उकेरे गए हैं, और शुद्ध चांदी के तार से जड़े हुए हैं। जिसके बाद कास्टिंग को बर्फ़िंग मशीन से पॉलिश किया जाता है और फिर बीदर किले की मिट्टी, जिसमें विशेष ऑक्सीकरण गुण होते हैं, के साथ मिश्रित घोल में भिगोया जाता है। इससे जिंक मिश्रधातु चमकदार हो जाती है। यह बिदरी शिल्प अपनी विशिष्ट पहचान के लिए भारत सहित विश्व भर में जाना जाता है। भारत समेत यूरोपीय देशों से खूब ऑर्डर मिल रहे हैं.

राजकुमार ने आगे कहा कि आज के आधुनिक तकनीक के डिजिटल युग में भी हाथों के हुनर से कलात्मक ढंग से विभिन्न डिजाइन तैयार किए जाते हैं। हार, झुमके, चूड़ियाँ, पेंडेंट, आभूषण बक्से, रसोई, हाथी, ऊंट, सुराही हुक्का, फूल बंदरगाह जैसी अद्वितीय हस्तशिल्प वस्तुएं बिना किसी मशीन का उपयोग किए धातु से तैयार की जाती हैं। बिदरी के काम को वर्षों तक संरक्षित रखा जा सकता है। बिदरी को बीदर का काला सोना कहा जाता है। जीवन भर का सामान बन जाता है. जैसे-जैसे यह पुराना होगा, इसकी कीमत बढ़ती जाएगी। राजकुमार ने कहा कि 200-300 साल बाद यह संग्रहालय की वस्तु बन जाएगी।

ज्ञात हो कि बिड्रिवेयर को 2008-09 में कर्नाटक राज्य शिल्प के तहत भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग के साथ राज्य पुरस्कार प्राप्त हुआ था। जीआई टैग ने बिदरी कला में नई जान फूंक दी है। बीदर जिले के जुज कारीगर नई पीढ़ी को मूर्तिकला की सदियों पुरानी विलुप्त कला का उपहार देने के लिए बिदरी हस्तशिल्प कार्य को जीवित रखने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उद्यमियों की रचनात्मकता और अथक जज्बे से वोकल फॉर लोकल का मंत्र साकार होता दिख रहा है।

PRAMA ने IFSEC India में नवीनतम वीडियो सुरक्षा उत्पादों और समाधानों के साथ नई कलरव्यू कैमरा श्रृंखला पेश की

प्रमा इंडिया - प्रमा इंडिया ने IFSEC इंडिया सिक्योरिटी एक्सपो 2023 में विशेष वीडियो सुरक्षा उत्पादों के साथ स्वदेशी रूप से निर्मित कलरव्यू कैमरा श्रृंखला की नवीनतम श्रृंखला का अनावरण किया। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और समाधानों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), और आईओटी सुरक्षा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। प्रामा बूथ IF-SEC इंडिया में, PRA-MA ने बूथ नंबर C 02 हॉल नंबर पर स्वदेशी रूप से निर्मित उत्पादों और अभिनव समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया। इसमें PRAMA उत्पादों और समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। नई लॉन्च की गई प्रामा रेंजिनव्यू रेंज प्रदर्शित की गई।

भारत के अग्रणी स्वदेशी वीडियो सुरक्षा ब्रांड, प्रामा को स्वदेशी रूप से विकसित वीडियो सुरक्षा उत्पादों और विशेष वर्टिकल समाधानों की विस्तृत श्रृंखला के लिए IFSEC इंडिया सिक्योरिटी एक्सपो 2023 में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उन्नत तकनीकों से जुड़े नवीनतम उत्पाद , और IoT सुरक्षा प्रौद्योगिकियां और एप्लिकेशन PRAMA बूथ पर प्रदर्शित थे। IFSEC इंडिया का PRAMA बूथ स्वदेशी रूप से निर्मित उत्पादों और नवीन समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करता है।

पी.पी. सवाणी परिवार द्वारा 75 पिताविहीन बेटियों का सामूहिक विवाह 24 दिसम्बर को

सुरत भुमि, सूरत। सूरत के पीपी सवाणी परिवार द्वारा अपने पिता का साया खोने वाली बेटी का विवाह समारोह हर साल की तरह इस साल भी दिसंबर के आखिरी सप्ताह में मनाया जाएगा. मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल सहित मंत्रियों, गणमान्य व्यक्तियों की प्रेरक उपस्थिति में 24 दिसंबर को शाम 5 बजे पीपी सवाणी चैतन्य विद्यासंकुल, अब्रामा में 75 पितृविहीन बेटियों का सामूहिक विवाह च्मावतारज् नाम से होगा। पिछले 12 सालों से महेशभाई सवानी अपनी बेटी की शादी करके नहीं बल्कि एक पिता के तौर पर सारी जिम्मेदारियां निभाते हुए इस साल 4992 बेटियों के पिता बन गए हैं। कई लोग पीपी सवानी के सेवायज्ञ से प्रेरित हुए हैं जो पिछले एक दशक से लगातार चमक रहा है और कई अन्य संगठन और व्यक्ति पूरे गुजरात और अन्य राज्यों में भी विवाह समारोह आयोजित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री सीआर पाटिल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्री भानुबेन बाबरिया, वन-पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल, शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया, महापौर दक्षेशभाई मवानी राज्य सरकार के मंत्री, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे और कन्यादान करेंगे।

"मावतार" के नाम से आयोजित यह कार्यक्रम कई मायनों में खास होने वाला है. आज आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पी. पी। सवाणी ग्रुप के महेशभाई सवाणी ने बताया कि इस साल 75 में से 35 बेटियां अनाथ हैं जिनके न तो माता-पिता हैं और न ही भाई. 25 एक बेटी है जिसकी बड़ी बहन की शादी पहले हमारे ही मैरिज हॉल में हुई थी. दो बेटियां मूक-बधिर हैं। एक नेपाल से और एक ओडिशा से तथा उत्तर प्रदेश से दो बेटियां अपने वैवाहिक जीवन की शुभ शुरुआत करने के लिए सूरत आएंगी।

पीपी सवाणी परिवार उन हजारों बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी की पूरी जिम्मेदारी लेता है, जिन्होंने अपने पिता का साया खो दिया है। महेशभाई सवानी ने कहा, 'हम सिर्फ होने वाली दुल्हन बनाने या बिजनेस देने का काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि मैं एक पिता की जिम्मेदारी भी निभा रहा हूं।' जिसमें न सिर्फ शादी बल्कि उसके परिवार की भी सारी जिम्मेदारी होती है।

अडाजण पाल लेक गार्डन के पास गिरनार काठियावाड़ी मल्टीक्यूज़न रेस्तरां की नई शाखा खुल रही है

अनाथों और विशेष रूप से विकलांग बच्चों की उपस्थिति में ग्रैंड बीड का उद्घाटन

सूरत।

गिरनार काठियावाड़ी रेस्तरां की एक नई शाखा अदजान पाल लेक गार्डन सूरत में खोली गई है ताकि सूरत शहर के खाने-पीने के शौकीनों को हाईवे पर लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

सूरत में काठियावाड़ी व्यंजनों का पर्याय बन चुके गिरनार काठियावाड़ी के प्रबंधन ने शहर के भीतर एक नई शाखा शुरू की है।

इस अवसर पर जगदीश गोर कैलाश गोर और उदय गोर ने कहा कि हम अपनी नई और चौथी शाखा शुरू करके बहुत खुश हैं, अपने मानव ग्राहकों की मांग को ध्यान में रखते हुए हमने शहर के भीतर एक नई शाखा शुरू की है क्योंकि हमारे ग्राहक गिरनार काठियावाड़ी भोजन का आनंद लेना चाहते थे। तो कामराज को नवसारी हाईवे तक लंबी दूरी तय करनी होगी. यह ग्राहक ही थे जिन्होंने हमारी टीम को शहर के भीतर एक नई शाखा खोलने का सुझाव दिया। ग्राहकों की इस मांग को पूरा करने के लिए हमने अडाजण पाल लेक गार्डन में अपनी नई शाखा खोली है।

गिरनार काठियावाड़ी मल्टीकुजीन रेस्तरां में, काठियावाड़ी के अलावा स्थानीय क्षेत्र और जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए मेनू को बढ़ाया गया है। काठियावाड़ी खाने के साथ-साथ आपको मैक्सिकन, इटालियन, पैन एशियन, कॉन्टिनेंटल, उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय खाना मिलेगा। नए स्थल में 270 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है। इसके अलावा, बैंक्वेट हॉल में 225 से 250 लोग रह सकते हैं। नई शाखा में लाइव फूड कोर्ट का नया लुक होगा, नाश्ता, दोपहर का नाश्ता और देर रात तक लाइव नाश्ता और विशेष कॉफी की सुविधा के साथ एक कैफे भी शुरू किया गया है। स्वाद प्रेमी शहरी लोगों को नई शाखा में आने और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

जगदीश गोरे कैलाश गोरे और उदय गोरे ने गिरनार होटल के नए सोपान के बारे में आगे बताया और कहा कि हमने पाल लेक गार्डन में गिरनार होटल के भव्य उद्घाटन के लिए अनाथ और विशेष रूप से विकलांग बच्चों को आमंत्रित किया। शहर के विभिन्न संस्थानों से 45 से 50 ऐसे विशेष बच्चों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था.

आम लोगों को सभी कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है लेकिन गिरनार होटल के भव्य उद्घाटन में विशेष बच्चों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करके एक नई शुरुआत की गई है।

एयरटेल बिजनेस ने 20 मिलियन स्मार्ट मीटर्स को पावर-अप करने के लिये इंटेलिस्मार्ट के साथ साझेदारी की

भारत।

भारती एयरटेल ("एयरटेल"), भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक है, ने आज इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी किए जाने की घोषणा की है। इंटेलिस्मार्ट एक अग्रणी स्मार्ट मीटरिंग एवं डिजिटल समाधान प्रदाता है और इस साझेदारी के तहत 20 मिलियन स्मार्ट मीटर्स को पावर-अप किया जाएगा। यह क्लाउड और एनालिटिक्स के साथ स्मार्ट मीटरिंग एप्लिकेशन जैसे हाई एंड सिस्टम्स में एयरटेल का प्रवेश भी दिखाती है। यह देश में स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में इस तरह कीसबसे बड़ी डील है और यह विभिन्न सेक्टर्समें एयरटेल के तेजी से बढ़ रहे आईओटी डिप्लॉयमेंट के लिये महत्वपूर्ण योगदान देगी।

एयरटेल के आईओटी प्रस्ताव में इसके स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म 'एयरटेल आईओटी हब' शामिल है। यह स्मार्ट मीटर्स की एडवांस्ड एनालिटिक्स से ट्रैकिंग और निगरानी में कंपनी की मदद करेगा। यह टेल्को ग्रेड सिक्योरिटी से समृद्ध बेहद उच्च विश्वसनीयता भी बनाकर रखेगा। आईओटी हब एयरटेल के अपने क्लाउड नेटवर्क पर है। इससे एंटरप्राइज यूजर्स को काफी सुरक्षित एवं शानदार तरीके से अरबों उपकरणों तथा प्रयोगों से जुड़ने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता मिलेगी।

एयरटेल बिजनेस(इंडिया) के सीईओ गणेश लक्ष्मीनारायणन ने इस उपक्रम के बारे में कहा, "हमने देश के सबसे बड़े आईओटी इनेबलर के तौर पर बाजार में अपनी स्थिति को और भी मजबूत किया है। एयरटेल बिजनेस के लिये आईओटी सबसे तेजी से बढ़ रहे बिजनेस सेगमेंट्स में से एक है। और इस डील के साथ हम 250 मिलियन पारंपरिक मीटर्स को स्मार्ट मीटर्स के रूप में डिजिटाइज करने के लिये भारत सरकार के लक्ष्यमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की रणनीतिक स्थिति में हैं। अपने प्लेटफॉर्म पर देशभर के उपकरणों को कनेक्टकरने के साथ हम आईओटी के बाजार में अपनी मौजूदा हिस्सेदारी 55.4% (वित्तङ्कवर्ष 23-24 की पहली तिमाही तक) को असाधारणदर से बढ़ाएंगे।"

सूरत शहर-जिला स्तरीय "बाल नाट्य एवं नृत्य नाटिका प्रतियोगिता 2023-24" होगी आयोजित

सूरत.

राज्य सरकार के खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, गांधीनगर-जिला युवा और सांस्कृतिक गतिविधि कार्यालय-सूरत के तहत 卐बाल नाट्य और नृत्य नाटिका प्रतियोगिता 2023-24卐 का आयोजन किया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को कला एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करना है।

दिनांक 31/12/2023 को नगर एवं जिला स्तरीय दोनों प्रतियोगिताओं में 07 वर्ष से अधिक एवं 13 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। जिसमें बाल नाटक में 08 सहायक अधिकतम 15 प्रतियोगी तथा बाल नृत्य नाटिका में 08 सहायक अधिकतम 25 प्रतियोगी भाग ले सकते हैं। दोनों कार्यों का प्रस्तुतिकरण समय न्यूनतम 30 मिनट एवं अधिकतम 45 मिनट होगा।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक सूरत शहर और ग्रामीण स्कूलों और विभिन्न संगठनों को प्रतियोगिता के प्रवेश पत्र जिला युवा और सांस्कृतिक गतिविधियाँ कार्यालय, प्रथम तल, पुरानी सिविल कोर्ट बिल्डिंग, नानपुरा, सूरत से प्राप्त करने चाहिए दिनांक-26/12/ 2023 आधार कार्ड और स्क्रिप्ट के साथ जिला युवा विकास अधिकारी-सूरत की सूची बताई गई है।

भव्य श्री राम कथा 4 जनवरी से

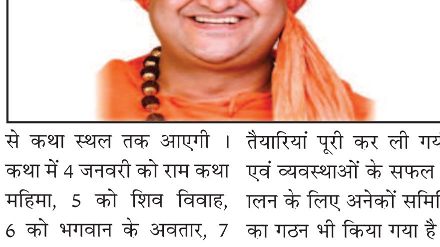

सुरत भुमि, सूरत।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के शुभारंभ के अवसर पर शाश्वतम् परिवार गुजरात प्रदेश एवं साकेत ग्रुप द्वारा भव्य श्री राम कथा का आयोजन 4 जनवरी से वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम के लखदातार हॉल में किया जायेगा। आयोजन में व्यासपीठ से जूना अखाडा, महामंडलेश्वर डॉ. उमाकान्तानन्द सरस्वती महाराज (शाश्वतम् परिवार, हरिद्वार) प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक भक्तों को राम कथा का व्याख्यान देंगे ।

कथा की शुरुआत 4 जनवरी को तुलसी यात्रा से होगा । तुलसी यात्रा न्यूसिटी-लाइट स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर से कथा स्थल तक आएगी । कथा में 4 जनवरी को राम कथा महिमा, 5 को शिव विवाह, 6 को भगवान के अवतार, 7 को श्रीराम जन्मोत्सव, 8 को बाल लीला एवं संस्कार, 9 को श्रीराम विवाह, 10 को वन गमन एवं राज तिलक के प्रसंग होंगे। कथा का समापन 11 को पूर्णाहुति हवन एवं महाप्रसाद के साथ होगा।

आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है एवं व्यवस्थाओं के सफल सञ्चालन के लिए अनेकों समितियों का गठन भी किया गया है।

सुंदरकांड पाठ -

कथा के दौरान संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया जायेगा, जिसमे 6 जनवरी को श्री राम भक्त मंडल एवं 9 जनवरी को श्री मानस मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वचन किया जायेगा ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)